श्रमसाधना

दैनिक सांध्यकालीन — श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति — www.shramsadhnanews.com

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष : 38, अंक : 21 ग्वालियर, शनिवार 22 अगस्त 2026
विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन
L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने टीकमगढ़ में किया संवाद, अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण के निर्देश

लापरवाही पर जिला पंजीयक सहकारिता निलंबित करने के निर्देश

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम में टीकमगढ़ जिले के सीएम हेल्पलाइन शिकायतकर्ताओं से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने शिकायतों की स्थिति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को समय-सीमा में प्रभावी निराकरण के निर्देश दिए। एक मामले में लापरवाही सामने आने पर जिला पंजीयक सहकारिता एसके कौशिक को निलंबित करने के निर्देश दिए।

नॉमिनी के खाते में राशि नहीं पहुंचाने पर कार्रवाई : शिकायतकर्ता दयाराम लोधी की मां स्वर्गीय रानीबाई की मृत्यु के बाद सहकारी बैंक की मवई शाखा द्वारा नॉमिनी के खाते में राशि अंतरित नहीं किए जाने की शिकायत सामने आई। मामले में कार्य में लापरवाही पाए जाने पर मुख्यमंत्री ने जिला पंजीयक सहकारिता को निलंबित करने के निर्देश दिए।

फील्ड में जाएं अधिकारी, शिकायतों का करें प्रभावी निराकरण : मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों से कहा कि सभी

विभागीय अधिकारी नियमित रूप से फील्ड भ्रमण करें और योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति का जायजा लें। स्थानीय स्तर पर जनता की शिकायतों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी क्षेत्र विशेष में एक जैसी शिकायतें सामने आती हैं तो उनके मूल कारणों का समाधान भी किया जाना चाहिए।

पांच शिकायतकर्ताओं से किया संवाद : मुख्यमंत्री ने महेश प्रसाद लोधी, कमलेश नामूलिया, दयाराम लोधी, कालीचरण सिंह राजपूत और हरिराम विश्वकर्मा से संवाद कर उनके प्रकरणों की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के निराकरण के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

लापरवाही पर कार्रवाई, बेहतर काम करने वालों को सम्मान : मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, जबकि उत्कृष्ट कार्य करने वाले शासकीय सेवकों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में जिले की शासकीय उचित मूल्य दुकानों का वास्तविक स्थान पर संचालन सुनिश्चित करने के लिए की जा रही कार्रवाई पर भी चर्चा हुई। बैठक में राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार एवं टीकमगढ़ जिले की प्रभारी मंत्री कृष्णा गौर, पूर्व राज्यमंत्री एवं जतारा विधायक हरिशंकर खटीक, मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. सुदाम खाड़े, आयुक्त जनसंपर्क मनीष सिंह, कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दी बधाई

विज्ञान के क्षेत्र में भारत का बढ़ा मान-सम्मान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रहे कार्यों से दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ा है। मध्यप्रदेश भी विज्ञान के क्षेत्र में देश के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है।

प्रदेश में विज्ञान को लोकप्रिय बनाने पर जोर : मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश में स्पेस पॉलिसी लागू की गई है और साइंस सिटी तथा प्लेनेटोरियम शुरू करने की पहल की गई है। स्पेस टेक्नोलॉजी और विज्ञान का अधिकतम लाभ आम नागरिकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

स्पेस गैलरी विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक : मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद की गतिविधियों से विद्यार्थियों को विज्ञान से जोड़ा जा रहा है। हाल ही में आंचलिक विज्ञान केंद्र भोपाल में स्पेस गैलरी का शुभारंभ किया गया है। यह विद्यार्थियों के लिए अंतरिक्ष विज्ञान को समझने और नई जानकारी हासिल करने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी।

इसरो के सहयोग से सैटेलाइट मॉडल निर्माण कार्यशाला

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस से एक दिन पहले 22 अगस्त को मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा इसरो के सहयोग से राज्य स्तरीय सैटेलाइट मॉडल निर्माण कार्यशाला आयोजित की जा रही है। इसमें प्रदेश के 32 से अधिक विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और वैज्ञानिक संस्थानों के विद्यार्थी एवं शिक्षक भाग लेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं और आम नागरिकों को अंतरिक्ष विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अनुसंधान के प्रति जागरूक करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों, विज्ञान शिक्षकों और प्रदेशवासियों को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की शुभकामनाएं दीं।

केन-बेतवा परियोजना के क्रियान्वयन से देखने को मिलेगा सकारात्मक परिवर्तन : डॉ. यादव

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि केन-बेतवा भारत की पहली लिंक परियोजना है। इसमें मध्यप्रदेश सरकार और उत्तरप्रदेश सरकार भारत सरकार के साथ मिलकर क्रियान्वयन का कार्य कर रहे हैं। वर्ष 2024 के दिसम्बर माह में इसकी आधारशिला रखी गई। वर्ष 2030 तक इसे पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस परियोजना से व्यापक सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलेगा। यह परियोजना क्षेत्र के विकास की दृष्टि से चमत्कारिक परिणाम सामने लाएगी। क्षेत्र का परिदृश्य बदल जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खजुराहो में परियोजना की समीक्षा के पश्चात् टीवी चैनल प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए कहा कि इस परियोजना से संपूर्ण बुंदेलखंड सहित मध्यभारत के जिले भी लाभान्वित होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरिशंकर परसाई की जयंती पर किया नमन

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध लेखक एवं व्यंग्यकार स्व. हरिशंकर परसाई की जयंती पर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि परसाई की निर्भीक लेखनी ने समाज की विसंगतियों, रूढ़ियों और पाखंड पर तीखा प्रहार किया और आज भी लोगों को सजग दृष्टि से सोचने की प्रेरणा देती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भोलाराम का जीव, सदाचार का ताबीज और ठिठुरता हुआ गणतंत्र जैसी कालजयी रचनाओं के माध्यम से परसाई ने सामाजिक व्यवस्था की कमजोरियों को प्रभावी ढंग से सामने रखा। उनकी लेखनी आज भी आत्ममंथन करने और सत्य के पक्ष में खड़े होने की प्रेरणा देती है।

उल्लेखनीय है कि हरिशंकर परसाई का जन्म 22 अगस्त 1924 को मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम जिले में हुआ था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एकनाथ रानाडे की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

भोपाल जीएनएस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विवेकानंद शिला स्मारक के शिल्पकार एवं प्रखर राष्ट्रचिंतक स्व. एकनाथ रानाडे की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित एकनाथ रानाडे का जीवन सेवा, संगठन और संकल्प का प्रेरक उदाहरण है। उनके विचार और कार्य समाज को राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

श्री टंकी वाले हनुमान मंदिर पर श्रावण उत्सव में गूंजा सामाजिक समरसता का संदेश

सामाजिक-धार्मिक योगदान के लिए कुलदीप व्यास को मिला विप्र कुल गौरव सम्मान

ग्वालियर जीएनएस

सागरताल रोड स्थित श्री टंकी वाले हनुमान मंदिर पर श्रावण उत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान भोलेनाथ के विधि-विधान से अभिषेक और पूजन के साथ हुई। इसके बाद हनुमानजी महाराज की पूजा-अर्चना कर श्रद्धालुओं ने सुख-समृद्धि और सर्वजन कल्याण की कामना की।

धर्म समाज में प्रेम और भाईचारे की प्रेरणा देता है : कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक प्रवीण पाठक रहे, जबकि अध्यक्षता सर्व ब्राह्मण महासंघ के युवा अध्यक्ष कपिल भार्गव ने की। कार्यक्रम संयोजक कुलदीप व्यास ने विधि-विधान से भगवान शिव का पूजन-अभिषेक कराया।

पूर्व विधायक प्रवीण पाठक ने कहा कि श्रावण का महीना भगवान शिव की आराधना के साथ समाज में प्रेम, भाईचारे और समरसता का संदेश देने वाला पर्व है। धार्मिक आयोजन लोगों को एक-दूसरे के करीब लाते हैं। धर्म केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर चलने की प्रेरणा देता है।

श्रावण उत्सव जैसे आयोजन सामाजिक एकता और सद्भाव को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

शिव आराधना देती है समानता और लोककल्याण की सीख : कपिल भार्गव ने कहा कि भगवान शिव की आराधना समानता, त्याग और लोककल्याण की सीख देती है। श्रावण उत्सव का उद्देश्य केवल धार्मिक अनुष्ठान करना नहीं, बल्कि समाज में आपसी प्रेम और समरसता को बढ़ावा देना भी है। सभी वर्गों के लोग मिलकर पर्व मनाएं तो सामाजिक एकता और भाईचारा मजबूत होता है।

कुलदीप व्यास को विप्र कुल गौरव सम्मान : कार्यक्रम के समापन अवसर पर सामाजिक एवं धार्मिक क्षेत्र में योगदान के लिए कार्यक्रम संयोजक कुलदीप व्यास को विप्र कुल गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। पूर्व विधायक प्रवीण पाठक और सर्व ब्राह्मण महासंघ के युवा अध्यक्ष कपिल भार्गव ने उन्हें सम्मान प्रदान किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने आयोजन की सराहना करते हुए श्रावण उत्सव के माध्यम से मिले प्रेम, भाईचारे और सामाजिक समरसता के संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

खनियाधाना में अहिल्याबाई की मूर्ति क्षतिग्रस्त होने पर बवाल, पाल–बघेल समाज के मंच से विधायक प्रीतम लोधी का विवादित बयान वायरल

शिवपुरी, जीएनएस। खनियांधाना में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की मूर्ति क्षतिग्रस्त होने के विरोध में कल पाल, बघेल, धनगर समाज द्वारा आयोजित आक्रोश आंदोलन के दौरान मंच से पिछोर विधायक प्रीतम सिंह लोधी द्वारा दिया गया एक बयान अब भारी विवाद का कारण बन गया है। विधायक का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे मंच से भाषण देते हुए कथित तौर पर कह रहे हैं कि ÷महिलाएं पिछोर रेस्ट हाउस पर मुझे पटाने / फंसाने के लिए आती हैं।÷

यह बयान ऐसे मंच से दिया गया जिसकी शुरुआत ही महिला शक्ति की प्रतीक देवी अहिल्याबाई होल्कर के सम्मान की लड़ाई से हुई थी, इसको लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, दो दिन पूर्व खनियांधाना में चौराहे पर स्थापित पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर की मूर्ति असामाजिक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त कर दी गई थी। इस घटना से पाल, बघेल, गड़रिया समाज में भारी आक्रोश फैल गया था। समाज ने दोषियों पर कड़ी कार्रवाई और नई प्रतिमा स्थापित करने की मांग को लेकर बुधवार को खनियांधाना में विशाल आक्रोश सभा और आंदोलन का आयोजन किया था।

इसी आंदोलन में मुख्य अतिथि के रूप में पिछोर विधायक प्रीतम सिंह लोधी मंच पर पहुंचे थे। मंच पर बड़ी संख्या में समाज के लोग, बुजुर्ग और युवा मौजूद थे। सभा को संबोधित करते हुए विधायक अपनी कार्यशैली और अपने ऊपर लगने वाले आरोपों का जिक्र कर रहे थे।

इसी दौरान उन्होंने कथित तौर पर कहा - ÷मेरे खिलाफ साजिश रची जा रही है... महिलाएं पिछोर रेस्ट हाउस पर मुझे पटाने आती हैं...÷

मंच से कही गई इस बात का वीडियो वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने बना लिया और अब यह वीडियो जिले भर में वायरल हो रहा है।

महिला शक्ति के मंच से ही महिलाओं पर सवाल?

विवाद की सबसे बड़ी वजह यह है कि यह बयान उस मंच से दिया गया जो खुद एक महिला गौरव - देवी अहिल्याबाई होल्कर के अपमान के विरोध में लगाया गया था। अहिल्याबाई को नारी शक्ति, न्याय और सुशासन की प्रतीक माना जाता है। ऐसे में उनके सम्मान की लड़ाई के मंच से ही महिलाओं के लिए इस तरह की भाषा का प्रयोग करना लोगों को नागवार गुजर रहा है।

वायरल वीडियो के बाद महिला संगठनों और विपक्ष ने इसे महिला विरोधी मानसिकता करार दिया है। लोगों का कहना है कि एक जनप्रतिनिधि को मंच की गरिमा का ख्याल रखना चाहिए। यदि कोई महिला अपनी समस्या लेकर रेस्ट हाउस जनसुनवाई में जाती है तो उसे इस नजर से देखना बेहद आपत्तिजनक है। वीडियो की पुष्टि और राजनीतिक सरगर्मी हालांकि में वायरल वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं करता है, लेकिन वीडियो में विधायक प्रीतम सिंह लोधी साफ तौर पर मंच पर भाषण देते हुए दिखाई दे रहे हैं। भाषा और हाव-भाव से वे उत्तेजित लहजे में अपनी बात रख रहे हैं। इस मामले को लेकर अभी तक विधायक की ओर से कोई आधिकारिक सफाई या खंडन सामने नहीं आया है। वहीं, स्थानीय स्तर पर इस बयान को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। कांग्रेस समेत अन्य दलों ने इसे भाजपा विधायक का अहंकार बताया है और माफी की मांग की है।

उधर पाल समाज के कुछ लोगों का कहना है कि आंदोलन का मूल मुद्दा - अहिल्याबाई की मूर्ति का अपमान और दोषियों पर कार्रवाई - इस विवादित बयान के कारण भटक गया है। प्रशासन ने मूर्ति क्षतिग्रस्त करने के मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, लेकिन विधायक के इस नए बयान ने खनियांधाना की सियासत में नई आग लगा दी है।

बंद गौशालाएं शुरू कराने की मांग, एसडीएम के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

गोहद, जीएनएस। नगर पालिका एवं ग्राम पंचायत क्षेत्रों में बंद पड़ी गौशालाओं को तत्काल शुरू कराने और सड़कों पर घूम रहे निराश्रित गोवंश की सुरक्षा की मांग को लेकर गौसेवकों ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) गोहद के नाम तहसीलदार विश्राम शाक्य को ज्ञापन सौंपा। गौरव खटाना, कांग्रेस के नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष कुलदीप सिंह गुर्जर एवं पिंकी उचाड़िया आदि के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में गौशालाओं को शुरू कराने सहित गोवंश की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की गई। ज्ञापन में बताया गया कि क्षेत्र में गौशालाएं बंद पड़ी होने के कारण बेसहारा गोवंश सड़कों पर घूमने को मजबूर है। इससे आए दिन सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। वहीं गर्मी, बारिश और ठंड के दौरान खुले में रहने के कारण गोवंश को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गौसेवकों ने बंद गौशालाओं को तत्काल शुरू कराने के साथ वहां नियमित चारा-पानी और पशु चिकित्सक की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। इसके अलावा गौशालाओं में शेड सहित आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने, क्षेत्र में घूम रहे निराश्रित गोवंश को सुरक्षित गौशालाओं में पहुंचाने तथा गौ-तस्करी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग भी ज्ञापन में रखी गई।

एनएच - 719 के चौड़ीकरण की मांग को लेकर कांग्रेस जल्द करेगी निर्णायक जनांदोलन - पंकज त्रिपाठी

भिण्ड, जीएनएस। ग्वालियर - भिण्ड- इटावा नेशनल हाईवे - 719 के चौड़ीकरण (सिक्स/फोर लेन) की मांग को लेकर ग्रामीण कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष रामशेष बघेल जल्द ही वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं एवं जनसमुदाय के साथ बैठक आयोजित कर निर्णायक विशाल जनांदोलन की रणनीति तय करेंगे।

जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) के मीडिया प्रभारी पंकज त्रिपाठी ने भाजपा सरकार और स्थानीय भाजपा जनप्रतिनिधियों पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि हा। - 719 की संकरी सड़क के कारण आए दिन दर्दनाक सड़क हादसे हो रहे हैं,जिनमें अनेक परिवार उजड़ चुके हैं और कई लोग जीवनभर के लिए अपाहिज हो गए हैं। कांग्रेस,संत समाज और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने दर्जनों बार धरना-प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपे तथा स्थानीय भाजपा सांसद,विधायक से लेकर मुख्यमंत्री,केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और संबंधित अधिकारियों से सड़क चौड़ीकरण की मांग की जा चुकी है,लेकिन हर बार केवल झूठे और खोखले आश्वासन के अलावा भिण्ड की जनता को कुछ हासिल नहीं हुआ।

श्रीकृष्ण बलराम मन्दिर में गौडीय वैष्णव आचार्य श्रील रूप गोस्वामी महाराज का तिरोभाव महोत्सव 24 अगस्त को

(डॉ. गोपाल चतुर्वेदी)

वृन्दावन। सेवाकुंज गली स्थित श्रीकृष्ण बलराम मन्दिर में श्रावण मास के पावन उपलक्ष्य में झूलन महोत्सव एवं गौडीय वैष्णव आचार्य श्रील रूप गोस्वामी महाराज का तिरोभाव महोत्सव 24 अगस्त 2026 को अत्यंत श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ आयोजित किया गया है।

महोत्सव के मीडिया प्रभारी डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने बताया है कि प्रख्यात गौडीय संत भक्ति वेदांत मधुसूदन महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित होने वाले इस महोत्सव में सायं 5 बजे से संतों व विद्वानों के प्रवचन, हरिनाम संकीर्तन व पद गायन आदि के कार्यक्रम होंगे।जिसमें सभी भक्त-श्रद्धालु सादर आमंत्रित हैं।

दंत चिकित्सा विभाग द्वारा दंत स्वास्थ्य जागरूकता एवं जांच शिविर आयोजित

दतिया, जीएनएस। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, दतिया के दंत चिकित्सा विभाग द्वारा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट), दतिया में दंत स्वास्थ्य जागरूकता एवं जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर डीन डॉ. दीपक सिंह मरावी सर के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। शिविर के सफल आयोजन में प्रभारी प्राचार्य श्री करण सिंह परिहार एवं व्याख्याता श्री बी.एम. दुबे का विशेष सहयोग रहा।

शिविर के दौरान दंत विभागाध्यक्ष डॉ. लक्ष्मण सिंह कैरा एवं सहायक प्राध्यापक डॉ. अतुल कुशवाहा ने विद्यार्थियों एवं संस्थान के शिक्षकों को नियमित एवं उचित मौखिक स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सही तरीके से ब्रश करने की तकनीक, दांतों एवं मसूड़ों की देखभाल तथा खराब मौखिक स्वच्छता से होने वाले विभिन्न दंत एवं स्वास्थ्य संबंधी दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

विद्युत उपभोक्ताओं की संतुष्टि ही कंपनी का लक्ष्य

शिवपुरी, जीएनएस। मध्यप्रदेश मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम, चांदबढ़ भोपाल के चेयरमेन श्री जे.एन. नागर एवं फोरम के सदस्य श्री पी.के.जैन, श्री दिलीप मेधानी, श्री गिरिश शर्मा और श्री गजेंद्र अहिरवार की उपस्थिति में एक दिवसीय विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण शिविर का आयोजन गतदिवस कंपनी के बाणगंगा शिवपुरी स्थित मीटिंग हॉल में किया गया। शिविर में शिवपुरी जिले के करीब 50 पीड़ित विद्युत उपभोक्ताओं ने फोरम के चेयरमेन और सदस्यों के सामने अपनी-अपनी शिकायतें रखीं। शिकायतों में बिजली बिल में गड़बड़ी, मीटर की खराबी, अनावश्यक बकाया राशि और बिजली आपूर्ति से जुड़ी समस्याएं मुख्य रूप से शामिल थीं। फोरम के चेयरमेन एवं सदस्यों ने शिविर में उपस्थित वृत्त शिवपुरी के महाप्रबंधक श्री दिनेश सुखीजा, श्री महेंद्र प्रताप सिंह और उपमहाप्रबंधक श्री अमितेश अर्श को संबंधित उपभोक्ताओं की शिकायतों के संबंध में कंपनी के नियमानुसार निर्देश देते हुए अधिकांश समस्याओं का मौके पर ही समाधान कराया। कुछ शिकायतों को फोरम द्वारा पंजीकृत कर जल्द निराकरण के लिए स्थानीय अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए। फोरम के चेयरमेन श्री जे.एन. नागर ने कहा कि विद्युत उपभोक्ताओं की संतुष्टि ही कंपनी का मुख्य लक्ष्य है और उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए कंपनी हमेशा प्रतिबद्ध है। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि बिजली से जुड़ी किसी भी समस्या के लिए वे निकटतम कंपनी कार्यालय से संपर्क करें।शिविर में वृत्त स्तरीय विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम के अध्यक्ष श्री राजेश दुसाद, सदस्य श्री भागीरथ वर्मा, श्री बी.सी. अग्रवाल, श्री सुरेश उपाध्याय, श्री मनोज गोयल, प्रभारी अनुभाग अधिकारी श्री ललित शर्मा, श्री रविसेन और कंप्यूटर ऑपरेटर भी उपस्थित रहे।

जनता की समस्याओं को प्रशासन से हल कराएंगे- घनश्याम सिंह, विधायक

दतिया, जीएनएस। जनता की हर छोटी बड़ी समस्याओं को शासन प्रशासन से हल कराएंगे। लोकतंत्र में जनता की आवाज के सामने किसी की नहीं चलती। जब जनता एकजुट हो जाती हैं तो शासन प्रशासन को झुकना पड़ता हैं। लोकतंत्र में संख्या बल का महत्व है। यह बात ग्राम रेंडा में आयोजित आभार सभा को संबोधित करते हुए दतिया विधायक घनश्याम सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि मैं जब तक दतिया विधानसभा क्षेत्र से

विधायक हूं,24 घंटे आप लोगों के लिए उपलब्ध रहूंगा। उन्होंने ग्रामीण मतदाताओं से मुलाकात कर दतिया विधानसभा उप चुनाव में दिए गए अभूतपूर्व समर्थन व सहयोग के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया।

सरस्वती विद्यापीठ में प्रांतीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का शुभारंभ

शिवपुरी, जीएनएस। विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के तत्वावधान में विद्याभारती मध्यभारत प्रांत के 37वें प्रांतीय खेलकूद समारोह के अंतर्गत सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय, शिवपुरी में दो दिवसीय प्रांतीय हैंडबॉल, कुश्ती, कुराश, बैडमिंटन एवं जूडो प्रतियोगिताओं का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता में मध्यभारत प्रांत के शिवपुरी, ग्वालियर, राजगढ़, भोपाल एवं नर्मदापुरम विभागों से आए खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ.

के.के. खरे, जिला खेल अधिकारी, खेल विभाग शिवपुरी रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री चंद्रशेखर वेमटे, जिला खेल अधिकारी, स्कूल शिक्षा विभाग, जिला शिवपुरी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. संदीप कुमार बालौदिया प्रभारी प्रांतीय खेल प्रभारी, भोपाल ने की। इस अवसर पर श्री पवन शर्मा, प्रबंधक, सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय एवं श्री जितेन्द्र परसाई, सह प्रबंधक मंचासीन रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ सरस्वती वंदना से हुआ। मंचस्थ अतिथियों का परिचय विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्री देशबन्धु गौतम ने कराया। प्रतियोगिता की प्रस्तावना डॉ संदीप कुमार बालौदिया ने प्रस्तुत की। वहीं प्रतियोगिता की उद्घाटन घोषणा एवं प्रतिभागी खिलाड़ियों को खेल की शपथ राष्ट्रीय खिलाड़ी भैया रविन्द्र धाकड़ ने दिलाई।

साथ ही भैया मयंक जाट ने शंख एवं भैया प्रिंस धाकड़ ने झालर बजाकर कार्यक्रम का शुभारंभ कराया। इस अवसर पर सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय शिवपुरी के सह प्रबंधक श्री जितेन्द्र परसाई ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

कम वसूली पर करने वाले उपयंत्रियों को नोटिस, अच्छी वसूली पर मिलेगा सम्मान

लीकेज बंद करने और अवैध राइडर हटाने के दिए निर्देश

ग्वालियर, जीएनएस। पेयजल के अपव्यय को लेकर नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने निगम के पीएचई अमले की बैठक लेकर सभी संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए, कि पानी की बर्बादी किसी भी रूप में नहीं होनी चाहिए और जहां भी पानी अथवा सीवर की लाइन डाली जाए वहां रोड रेस्टोरेशन नियम अनुसार ही हो यह संबंधित अधिकारी सुनिश्चित करें। साथ ही जल कर वसूली में लापरवाही करने पर दो उपयंत्रियों को नोटिस जारी करने के निर्देष दिए एवं अच्छी वसूली करने वालों को सम्मानित करने के निर्देष दिए।

नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने शहर में पेयजल व्यवस्था एवं सीवर व्यवस्था को लेकर बाल भवन स्थित एक्यूआई सेंटर में नगर निगम पीएचई विभाग के सभी अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में अधीक्षण यंत्री श्री एसएल बाथम, कार्यपालन यंत्री श्री महेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, श्री प्रवीण दीक्षित, श्री शिशिर श्रीवास्तव सहित सभी सहायक यंत्री एवं सभी उपयंत्री व बिल क्लर्क उपस्थित रहे।

बैठक में निगमायुक्त ने जल के अपव्यय को गंभीरता से लेते हुए निर्देष दिए कि सभी उपयंत्री इस आशय का प्रमाण पत्र देंगे कि उनके क्षेत्र में कोई राइडर एवं बूस्टर नहीं लगा है। इसके साथ ही यह भी प्रमाण पत्र देंगे कि उनके क्षेत्र में कहीं डिस्ट्रीब्यूशन लाइन में लीकेज नहीं है और यदि लीकेज है तो उसे ठीक करने की कार्य योजना बनाकर देंगे। इसके साथ ही सीवर एंव पानी की लाइनें डालते समय जो रोड कटिंग की जाती है उस रोड के रेस्टोरेशन जिस प्रणाली से होना चाहिए उसी उसी प्रणाली से हो यह संबंधित सुनिश्चित करें। साथ ही सभी उपयंत्रियों को निर्देशित किया कि ऐसे क्षेत्र चिन्हित करें जहां उपभोक्ता जलकर वसूली नहीं देते उनकी सूची तैयार करें। इसके साथ ही अवैध नल कनेक्शन को चिन्हित कर उपलब्ध करायें। साथ ही किसी भी क्षेत्र में वाहन धुलाई सेंटर अथवा जल अपव्यय के कोई भी साधन नहीं चलने चाहिए। यदि कहीं धुलाई सेंटर चल रहे हैं तो उनको तत्काल बंद करें। यदि निरीक्षण के दौरान चलते पाये गए या कहीं से शिकायत मिली तो संबंधित उपयंत्री के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि जहां भी पानी की नई लाइनें डाल दी गई हैं। वहां पुरानी लाइनों के कनेक्शन बंद हो जाने चाहिए। इसके साथ ही निगम द्वारा शहर में प्लंबिंग का कार्य करने वाले प्लंबरों के रजिस्ट्रेशन कराये गए हैं सभी क्षेत्रों के उपयंत्री यह सुनिश्चित करें कि जिन प्लंबरों के रजिस्ट्रेशन हुए हैं वही क्षेत्र में कार्य करें। साथ ही ट्यूबवेल के बिजली कनेक्शन की डिटेलिंग को लेकर संबंधित उपयंत्रियों को आवश्यक दिशा निर्देष दिए।

पानी की टंकी पर सुरक्षा का रखें विशेष ध्यान

नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने पेयजल की समीक्षा के दौरान सभी उपयंत्री एवं सहायक यंत्रियों को निर्देशित किया कि जिन टंकियों से जल प्रदाय किया जाता है वहां सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए और प्रत्येक टंकी से प्रतिदिन दो दो सेम्पल मोती झील स्थित प्रयोगशाला में भेजे जाएं, जिससे पानी का परीक्षण हो सके।

समीक्षा बैठक के दौरान निगमायुक्त श्री संघ प्रिय ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं बिल क्लर्क को निर्देशित किया कि समय पर बिल जारी हों और उपभोक्ताओं तक बिल की सूचना एसएमएस के माध्यम से पहुंचे यह संबंधित अधिकारी सुनिश्चित करें। उन्होंने जलकर वसूली की समीक्षा करते हुए सभी उपयंत्रियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक माह के लक्ष्य की पूर्ति के लिए उपयंत्री एवं उनकी टीम गंभीरता से कार्य करे तथा बडे बकायेदार एवं ऐसे बकायेदार जो बिल जमा नहीं करते हैं उनके यहां वसूली की कार्यवाही सुनिश्चित करायें।

अनुपस्थित चल रहे दो विनियमित कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त

ग्वालियर, जीएनएस। लंबे समय से बिना बताए अनुपस्थित चलरहे दो विनियमित कर्मचारियों की नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने सेवाएं समाप्त करने के आदेश जारी किए हैं।

नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय द्वारा जारी आदेशानुसार श्री अनिल बरूआ पुत्र श्री देवेन्द्र बरुआ, विनियमित (अकुशल) द्वारा मार्च 2024 से अनुपस्थित चल रहा है। विभाग द्वारा अनुपस्थित चल रहे श्री बरूआ के विरूद्ध कारण बताओ सूचना दिनांक 12.06.2026 जारी कर स्पीड पोस्ट से कार्यालयीन रिकॉर्ड में दर्ज पता वार्ड क्रमांक 25 दुर्गा नगर भिण्ड म.प्र. पर भेजा गया। डाक विभाग द्वारा उक्त पत्र बिना तामिली के वापस किये जाने से दिनांक 27.07.2026 को दैनिक समाचार पत्रों में विज्ञप्ति जारी कर अन्दर 07 दिवस में स्पष्टीकरण चाहा गया, किन्तु श्री बरूआ द्वारा नियत अवधि में कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया। इसी प्रकार श्री रिंकू पिरोनिया पुत्र श्री राम दुलारे, विनियमित (अकुशल) द्वारा दिनांक 01.06.2026 से आज दिनांक तक बिना सूचना के अपने कार्य से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित चल रहे हैं। श्री पिरोनिया के विरुद्ध कारण बताओ सूचना पत्र दिनांक 03.07.2026 जारी कर डाक भृत्य द्वारा कार्यालयीन रिकॉर्ड में दर्ज पता काली माता मंदिर के पास पानी की टंकी सिकन्दर कम्पू कृष्णा कॉलोनी ग्वालियर पर प्रेषित किया गया। डाक मृत्य द्वारा संबंधित का पता अपूर्ण है मकान बेच कर चला गया है टीप अंकित कर पत्र वापस किया गया। दिनांक 27.07.2026 को दैनिक समाचार पत्रों में विज्ञप्ति जारी कर अन्दर 07 दिवस में स्पष्टीकरण चाहा गया, किन्तु श्री पिरोनिया द्वारा नियत अवधि में कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया।

मच्छर जनित बीमारियां रोकने अनेक कॉलोनियों में कराई फॉगिंग

ग्वालियर। संक्रामक बीमारियों एवं मच्छरों की रोकथाम के लिए नगर निगम द्वारा सभी वार्डों में फॉगिंग एवं कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कराया जा रहा है। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ वैभव श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय के निर्देश पर शहर के सभी वार्ड की गलियों एवं मोहल्लों में निरंतर साफ-सफाई एवं फॉगिंग का कार्य कराया जा रहा है। जिसके तहत आज वार्ड 29 महलगांव गली नम्बर 3, वार्ड 60 विंडसर हिल, वार्ड 5 आनंद नगर बी ब्लॉक, वार्ड 29 कैलाश नगर, वार्ड 52 पारस वाली गली, वार्ड 37 तिघरा रोड, वार्ड 38 गोल पहाडिया, वार्ड 49 तारागंज नहर, वार्ड 55 वकील कॉलोनी, वार्ड 35 कैलाश टॉकीज के पास, वार्ड 5 एकता नगर, वार्ड 3 विनय नगर सेक्टर-3, वार्ड 14 सेवा नगर, वार्ड 13 लोहा मंडी राधा कृष्ण स्कूल आदि अनेक स्थानों पर फॉगिंग एवं दवा का छिडकाव किया।

माननीय उच्च न्यायालय के निर्देष पर निगम ने हटाये 5 अवैध यूनिपोल स्ट्रक्चर

ग्वालियर, जीएनएस। नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर में अवैध रूप से या बिना अनुमति लगे होर्डिंग, फ्लैक्स, यूनिपोल एवं स्ट्रक्चर को हटाने की कार्यवाही निगम द्वारा तेज गति से की जा रही है।

मदाखलत अधिकारी ग्वालियर श्री रवि कोरी एवं कार्यालय अधीक्षक श्री शिवहरी शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय के निर्देशानुसार होर्डिंग शाखा एवं मदाखलत अमले द्वारा निरंतर शहर में विभिन्न स्थानों पर अवैध रूप से लगे होर्डिंग, स्ट्रक्चर एवं यूनिपोल को हटाने की कार्यवाही की जा रही है। जिसमें माननीय उच्च न्यायालय के निर्देष पर वार्ड क्रमांक -17 चौहान क्रेन सर्विस के पास, नया ब्रिज के पहले, वार्ड क्रमांक -05 सागरताल चौराहा, बिजली विभाग के पावर हाउस के पास, मोतीझील ए.बी.रोड, ट्रांसपोर्ट नगर के बाहर, आनंद नगर के सामने बने विशाल मेगा मार्ट शोरूम के सामने ए.बी.रोड, वार्ड क्रमांक- 03 मानसिक आरोग्यशाला के बाहर ग्वालियर पर चयनित किए वर्णित स्थलो पर लगे यूनिक पोलो को हाइड्रा, गैस कटर, जे.सी.बी मशीन की सहायता से निकलवाया गया। इस कार्यवाही के दौरान मदाखलत निरीक्षक श्री श्रीकांत सेन सहित दल (ग्वालियर) स्टाफ के सदस्यगण सहयोगी अमले के रूप में मौजूद रहे एवं विज्ञापन शाखा के कर्मचारी श्री अमित सिंह कुशवाह, श्री मयंक व्यास सहित हाइड्रा,गैस कटर, जे.सी.बी मशीन,डंपर सहित पर्याप्त संसाधन उपलब्ध रहे।

भारत के रंग, स्वच्छता के संग' में संस्कृति और होली के रंग

ग्वालियर। नगर निगम ग्वालियर के सहयोग से बाल भवन में 'भारत के रंग, स्वच्छता के संग' सांस्कृतिक एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों की लोक संस्कृतियों और स्वच्छता जागरूकता को खूबसूरत प्रस्तुतियों के माध्यम से सामने रखा गया। कार्यक्रम में मराठी, पंजाबी और ब्रज की होली की धूम देखने को मिली। पारंपरिक लोक नृत्यों और होली की रंगारंग प्रस्तुतियों ने माहौल को उत्सवमय बना दिया और दर्शकों ने कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में 10 वर्ष से लेकर 65 वर्ष तक की घरेलू महिलाओं एवं बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अलग-अलग आयु वर्ग की प्रतिभागियों ने अपनी प्रस्तुतियों से भारतीय संस्कृति के विविध रंगों को मंच पर जीवंत किया।

भवन निर्माण सामग्री सड़क पर डालने एवं गंदगी फैलाने वालों से वसूला जुर्माना

ग्वालियर, जीएनएस। शहर स्वच्छ व साफ रहे इसलिए गंदगी फैलाने वालों, अमानक पॉलीथिन, गोबर नालियों में बहाने वालों एवं भवन सामग्री सडक पर डालने वालों पर निगम द्वारा निरंतर कार्वाई की जा रही है।

नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय के निर्देशानुसार गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ जुर्माने की कार्वाई निरंतर की जा रही है। जिसके तहत आज वार्ड 64 ट्रांसपोर्ट नगर पार्किंग नम्बर-3 पर श्री रवि बोहरा द्वारा भवन निर्माण सामग्री सड़क पर डालने पर 5000 रूपये, इसके साथ ही गंदगी फैलाने पर 10250 रूपये का जुर्माना किया गया। साथ ही भवन निर्माण सामग्री सड़क पर डालने पर वार्ड 32 साईं बाबा रोड पर श्री मारूति अग्रवाल द्वारा 1000 रूपये, वार्ड 65 आईस क्रीम फैक्ट्री के पास श्री आकाष कुषवाह पर 5000 रूपये,

नयापुरा अजयपुर में श्रीमती उमा पत्नी अमर कुषवाह पर 4000 रूपये, वार्ड 47 कबूतर की हाट के श्री मनोज चोहान पर 5000 रूपये एवं वार्ड 29 शारदा विहार में श्रीमती रति वर्मा पर कचरा प्रथक्कीकरण न करने पर 5000 रूपये का जुर्माना किया गया। जुर्माना कार्यवाही के दौरान क्षेत्रीय अधिकारी श्री रजत पचौरिया, श्री आषीष राजपूत, सुश्री तनुजा वर्मा, श्री सत्येन्द्र उपाध्याय, श्री कपिल पटेल। इसके साथ ही ग्रामीण स्वास्थ्य अधिकारी श्री राजेन्द्र विक्रम सिंह एवं सहा. स्वास्थ्य अधिकारी श्री विवेक त्यागी, जेडएचओ श्री विजय राज चौहान, डब्ल्यूएचओ श्री गोपाल सिंह आदि उपस्थित रहे।

भिण्ड-गोरमी
के
समाचार
विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

निष्पक्षता-विश्वसनीयता एवं जनहित का संवाहक
श्रमसाधना

संदर्भ पूर्ण वंदे मातरम् : नेहरूवियन कांग्रेस में जिन्नात्मा का प्रवेश

संपादकीय

स्कूलों के दरवाजे बंद, सवालों से क्यों डर रही हैं सरकारें?

शिक्षा किसी भी राष्ट्र के निर्माण की आधारशिला होती है। स्कूल केवल चार दीवारों से घिरी इमारतें नहीं होते, बल्कि वे ऐसे स्थान होते हैं जहां एक पीढ़ी के विचार, सपने और भविष्य आकार लेते हैं। यहीं से बच्चे सीखते हैं कि दुनिया को कैसे समझना है, समस्याओं का समाधान कैसे खोजना है और समाज में अपनी भूमिका कैसे निभानी है। लेकिन जब शिक्षा के मंदिरों में सवाल पूछने की आजादी सीमित होने लगे तो यह चिंता का विषय बन जाता है।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत संवाद है। जनता, विद्यार्थी और समाज जब अपनी बात रखते हैं, सवाल करते हैं और व्यवस्था से जवाब मांगते हैं, तभी लोकतंत्र मजबूत होता है। मगर वर्तमान समय में कई बार ऐसा महसूस होता है कि सवालों को सुनने के बजाय उनसे बचने की कोशिश की जा रही है। खासकर युवाओं और विद्यार्थियों के सवालों को कई बार असहमति के रूप में देखा जाता है, जबकि सवाल ही ज्ञान और विकास की पहली सीढ़ी होते हैं।

स्कूलों का उद्देश्य केवल परीक्षा पास करवाना नहीं होना चाहिए। शिक्षा का असली मकसद बच्चों में सोचने की क्षमता, तर्क करने की आदत और सही-गलत को समझने का विवेक पैदा करना है। यदि विद्यार्थी सवाल नहीं पूछेंगे तो वे नई खोज कैसे करेंगे? यदि वे अपनी जिज्ञासा व्यक्त नहीं करेंगे तो समाज में नए विचार कैसे आएंगे?

इतिहास गवाह है कि दुनिया में हर बड़ा बदलाव सवालों से ही शुरू हुआ है। वैज्ञानिक खोजों से लेकर सामाजिक सुधारों तक, हर परिवर्तन के पीछे किसी न किसी ने पुरानी व्यवस्था पर प्रश्न उठाया। इसलिए सवालों को रोकना नहीं, बल्कि उन्हें सही दिशा देना जरूरी है।

आज शिक्षा व्यवस्था के सामने कई गंभीर चुनौतियां हैं। सरकारी स्कूलों में संसाधनों की कमी, शिक्षकों की कमी, शिक्षा की गुणवत्ता, डिजिटल सुविधाओं की असमानता और बढ़ती प्रतिस्पर्धा जैसी समस्याएं लगातार चर्चा में हैं। इन समस्याओं पर खुलकर बातचीत और समाधान की जरूरत है। यदि सवाल उठाने वालों को ही चुप करा दिया जाएगा तो सुधार की प्रक्रिया कमजोर हो जाएगी।

सरकारों और प्रशासन को यह समझना होगा कि आलोचना विरोध नहीं होती। लोकतंत्र में आलोचना व्यवस्था को बेहतर बनाने का माध्यम होती है। विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों की आवाज सुनकर ही शिक्षा नीति को प्रभावी बनाया जा सकता है। बंद दरवाजों के पीछे लिए गए फैसले हमेशा जनता की वास्तविक जरूरतों को नहीं समझ पाते।

स्कूलों में ऐसा वातावरण होना चाहिए जहां बच्चे बिना डर अपनी बात रख सकें। उन्हें यह विश्वास होना चाहिए कि उनका सवाल गलत नहीं है, बल्कि सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा है। शिक्षक की भूमिका भी केवल जानकारी देने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उन्हें बच्चों को सोचने और तर्क करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

कई बार सत्ता और व्यवस्था को लगता है कि सवाल उनकी कमजोरी उजागर कर देंगे, लेकिन वास्तविकता यह है कि सवाल व्यवस्था को मजबूत बनाते हैं। जो सरकारें जनता की बात सुनती हैं और आलोचनाओं से सीखती हैं, वे ज्यादा प्रभावी तरीके से काम कर पाती हैं।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530
प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209
प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345
Email:shramsadhnagwl@gmail.com

'वंदे मातरम्' भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की उन महत्वपूर्ण स्मृतियों में शामिल है, जिसने गुलामी के दौर में देशवासियों के भीतर राष्ट्रीय चेतना और स्वतंत्रता की भावना को मजबूत करने में भूमिका निभाई। यह केवल एक गीत नहीं रहा, बल्कि लंबे समय तक अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष का प्रतीक भी बना। स्वतंत्रता आंदोलन में इसे लेकर लोगों की भावनाएं जुड़ी रहीं और अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने इसे राष्ट्रीय जागरण के स्वर के रूप में स्वीकार किया। इसलिए आज जब 'वंदे मातरम्' को लेकर राजनीतिक बहस होती है तो उसके ऐतिहासिक संदर्भ को समझना बेहद जरूरी हो जाता है।

भारत का स्वतंत्रता आंदोलन किसी एक व्यक्ति, संगठन या विचारधारा का आंदोलन नहीं था। इसमें अलग-अलग विचारों और राजनीतिक दृष्टिकोण रखने वाले लोगों ने अपनी-अपनी भूमिका निभाई। कांग्रेस भी समय के साथ बदलती रही और उसके भीतर कई विचारधाराएं मौजूद थीं। महात्मा गांधी से लेकर जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, सुभाषचंद्र बोस और अन्य नेताओं के विचार कई विषयों पर अलग-अलग रहे, लेकिन ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता प्राप्त करना उस समय का सबसे बड़ा राष्ट्रीय लक्ष्य था।

इसी व्यापक राजनीतिक पृष्ठभूमि को समझे बिना आज की राजनीति में 'वंदे मातरम्' जैसे विषयों को देखने पर तस्वीर अधूरी रह जाती है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान राष्ट्रवाद का स्वरूप अलग था। अंग्रेजी शासन से मुक्ति के लिए जनता को एकजुट करना आवश्यक था। राष्ट्रीय गीत, नारे, झंडा और सार्वजनिक सभाएं इसी राष्ट्रीय चेतना को मजबूत करने के माध्यम बने। 'वंदे मातरम्' भी इसी वातावरण में व्यापक रूप से लोकप्रिय हुआ।

आजादी के बाद परिस्थितियां बदल गईं। भारत ने लोकतांत्रिक गणराज्य का रास्ता चुना और संविधान के माध्यम से सभी नागरिकों को समान अधिकार दिए। भारत की सबसे बड़ी विशेषता उसकी विविधता रही है। अलग-अलग धर्म, भाषाएं, संस्कृतियां और परंपराएं यहां सदियों से साथ-साथ मौजूद हैं। ऐसे में राष्ट्रीय एकता का अर्थ केवल किसी एक सांस्कृतिक प्रतीक से नहीं, बल्कि संविधान, लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों के साझा विश्वास से भी जुड़ता है।

यहीं से 'वंदे मातरम्' को लेकर बहस का एक महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। किसी राष्ट्रीय प्रतीक के प्रति सम्मान और उसके ऐतिहासिक संदर्भ पर चर्चा, दोनों अलग-अलग बातें हैं। सम्मान का अर्थ यह नहीं कि इतिहास पर सवाल न किए जाएं। इसी तरह इतिहास की व्याख्या करने का अधिकार होने का अर्थ यह भी नहीं कि उसके तथ्यों को वर्तमान राजनीतिक जरूरतों के अनुसार बदला जाए। लोकतांत्रिक समाज में दोनों के बीच संतुलन आवश्यक है।

मोहम्मद अली जिन्ना का संदर्भ भी इसी ऐतिहासिक बहस से जुड़ा है। भारतीय राजनीति में जिन्ना की भूमिका को समझने के लिए उनके पूरे राजनीतिक सफर को देखना जरूरी है। वे एक समय भारतीय राष्ट्रीय राजनीति का हिस्सा थे, लेकिन आगे चलकर उनकी राजनीति मुस्लिम लीग और अलग राजनीतिक राष्ट्र की मांग की दिशा में बढ़ी। अंततः देश का विभाजन हुआ और पाकिस्तान अस्तित्व में आया। विभाजन भारतीय उपमहाद्वीप के इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदियों में से एक रहा। लाखों लोगों को विस्थापन और हिंसा का सामना करना पड़ा।

जिन्ना के राजनीतिक सफर और विभाजन के इतिहास को वर्तमान राजनीतिक बहस में शामिल करते समय तथ्यों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। किसी भी ऐतिहासिक व्यक्तित्व को केवल एक घटना या वर्तमान राजनीतिक विचारधारा के आधार पर परिभाषित करने से इतिहास की जटिलता कम हो जाती है। इतिहास का उद्देश्य केवल किसी व्यक्ति को नायक या खलनायक घोषित करना नहीं, बल्कि घटनाओं के कारणों और उनके परिणामों को समझना भी है।

इसी प्रकार जवाहरलाल नेहरू और उनके दौर की कांग्रेस को भी उसके ऐतिहासिक संदर्भ में समझने की आवश्यकता है। स्वतंत्रता के बाद भारत के सामने एक नया राष्ट्र बनाने की चुनौती थी। विभाजन की पीड़ा, शरणार्थियों का पुनर्वास, रियासतों का एकीकरण, आर्थिक पिछड़ापन, गरीबी और अशिक्षा जैसी अनेक समस्याएं सामने थीं। ऐसे समय में देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं को स्थापित करना और उन्हें मजबूत करना बड़ी चुनौती थी।

नेहरू के नेतृत्व में भारत ने संसदीय लोकतंत्र, वैज्ञानिक सोच, आधुनिक शिक्षा और औद्योगिक विकास पर जोर दिया। इसके साथ ही उनकी नीतियों की आलोचना भी होती रही। लोकतंत्र की खूबसूरती यही है कि किसी भी नेता या सरकार को आलोचना से परे नहीं माना जाता। इसलिए नेहरू की राजनीति और कांग्रेस की विचारधारा पर बहस भी तथ्यों के आधार पर होनी चाहिए, न कि केवल राजनीतिक आरोपों के आधार पर।

'नेहरूवियन कांग्रेस' का उल्लेख भी इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण हो जाता है। कांग्रेस का वर्तमान स्वरूप उसके स्वतंत्रता आंदोलन के दौर के स्वरूप से अलग है। समय के साथ पार्टी की विचारधारा, नेतृत्व और राजनीतिक प्राथमिकताओं में परिवर्तन हुए हैं। इसलिए आज की कांग्रेस को सीधे स्वतंत्रता आंदोलन की कांग्रेस के समान मान लेना भी इतिहास को सरल बना देना होगा।

भारत की राजनीति में राष्ट्रवाद हमेशा एक महत्वपूर्ण विषय रहा है। लेकिन राष्ट्रवाद की अलग-अलग व्याख्याएं रही हैं। किसी के लिए राष्ट्रवाद राष्ट्रीय संस्कृति और परंपरा से जुड़ा है, तो किसी के लिए संविधान और नागरिक अधिकारों से। कोई इसे स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत के रूप में देखता है, तो कोई इसे सीमाओं और राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ता है। इन सभी दृष्टिकोणों के बीच लोकतांत्रिक संवाद जरूरी है।

'वंदे मातरम्' पर चर्चा करते समय भी यही संतुलन आवश्यक है। इस गीत के स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े ऐतिहासिक महत्व को स्वीकार करना एक बात है और इसे लेकर समाज के अलग-अलग वर्गों की भावनाओं को समझना दूसरी। भारत जैसे विविध समाज में किसी भी राष्ट्रीय प्रतीक को लेकर संवाद संवेदनशीलता के साथ होना चाहिए।

आज राजनीतिक दल अक्सर इतिहास के अलग-अलग प्रसंगों को अपने पक्ष को मजबूत करने के लिए सामने लाते हैं। कभी किसी नेता का नाम लिया जाता है, कभी किसी पुराने भाषण का उल्लेख होता है और कभी स्वतंत्रता आंदोलन की किसी घटना को वर्तमान राजनीति से जोड़ दिया जाता है। इससे जनता के बीच राजनीतिक बहस तो तेज होती है, लेकिन कई बार मूल ऐतिहासिक संदर्भ पीछे छूट जाता है।

सड़क पर पैदल चलना भी मौलिक अधिकार, फिर फुटपाथ क्यों बेहाल?

सड़क पर पैदल चलना मौलिक अधिकार है, लेकिन आज देश के कई शहरों में पैदल चलना भी एक बड़ी चुनौती बन गया है। शहरों के फुटपाथ या तो हैं ही नहीं, या फिर अतिक्रमण, पार्किंग, निर्माण सामग्री और अन्य अवरोधों के कारण पैदल यात्रियों के उपयोग के लायक नहीं बचे हैं। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब सुरक्षित और निर्धारित पैदल मार्ग उपलब्ध नहीं है तो आखिर आम नागरिक चले कहां? सड़क पर चलने को मजबूर पैदल यात्रियों के सामने तेज रफ्तार वाहन हमेशा दुर्घटना का खतरा पैदा करते रहते हैं।

यह समस्या केवल यातायात व्यवस्था की नहीं, बल्कि नागरिकों के मौलिक अधिकार और शहरी नियोजन से भी जुड़ी हुई है। हर व्यक्ति को सुरक्षित तरीके से एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने का अधिकार है। यदि शहरों में पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित रास्ता ही उपलब्ध नहीं होगा तो सड़कें केवल वाहन चालकों के लिए रह जाएंगी और पैदल चलने वाला नागरिक सबसे कमजोर स्थिति में खड़ा दिखाई देगा।

सुप्रीम कोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला

इस संदर्भ में 19 जून 2026 को सुप्रीम कोर्ट का एक महत्वपूर्ण फैसला सामने आया, जिसमें सुरक्षित और निर्धारित पैदल मार्ग पर चलने को संविधान के अनुच्छेद 19(1)(डी) के तहत आवागमन के मौलिक अधिकार का हिस्सा माना गया। यह फैसला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे पैदल यात्रियों के अधिकार को केवल यातायात सुविधा के रूप में नहीं, बल्कि संवैधानिक अधिकार के व्यापक संदर्भ में देखने का आधार मिलता है।

इस फैसले के पीछे एक दर्दनाक घटना भी थी। मामले में करीब पांच साल के एक बच्चे की सड़क पर ट्रक की चपेट में आने से मौत हो गई थी। घटना के समय वहां न तो फुटपाथ था और न ही सड़क पर पैदल चलने वालों के लिए पर्याप्त सुरक्षित व्यवस्था। यह घटना बताती है कि शहरों में फुटपाथ की कमी केवल असुविधा नहीं है, बल्कि कई बार किसी परिवार के लिए जीवनभर का दर्द बन जाती है।

शहरों में विकास का अर्थ केवल चौड़ी सड़कें, फ्लाईओवर, बड़े बाजार और ऊंची इमारतें नहीं हो सकता। विकास का वास्तविक पैमाना यह भी होना चाहिए कि एक बुजुर्ग व्यक्ति, बच्चा, महिला, दिव्यांग या सामान्य पैदल यात्री कितनी आसानी और सुरक्षा से सड़क पार कर सकता है और अपने गंतव्य तक पहुंच सकता है।

फुटपाथ हैं, लेकिन पैदल यात्रियों के लिए नहीं : देश के अनेक शहरों में फुटपाथ की स्थिति देखने पर समस्या की गंभीरता समझी जा सकती है। जहां फुटपाथ बने हैं, वहां भी कई जगह दुकानदारों ने सामान फैला रखा है। कहीं ठेले और अस्थायी दुकानें रास्ता रोकती हैं तो कहीं वाहन फुटपाथ पर खड़े कर दिए जाते हैं। कई जगह निर्माण सामग्री, रेत, गिट्टी और मलबा जमा रहता है। कुछ स्थानों पर बिजली के खंभे, ट्रांसफार्मर, पेड़ या अन्य स्थायी अवरोध भी पैदल यात्रियों के रास्ते में खड़े दिखाई देते हैं। ऐसी स्थिति में फुटपाथ का अस्तित्व कागजों पर भले हो, लेकिन वास्तविकता में पैदल यात्री उसका इस्तेमाल नहीं कर पाता। उसे मजबूरी में सड़क पर उतरना पड़ता है। सड़क पर उतरते ही वह तेज गति से गुजरते वाहनों के बीच आ जाता है। यही स्थिति दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ाती है। सरकारी आंकड़ों में भी सड़क दुर्घटनाओं में पैदल यात्रियों की स्थिति चिंताजनक रही है। 2023 में देश में सड़क दुर्घटनाओं में बड़ी संख्या में पैदल यात्री प्रभावित हुए। यह आंकड़ा बताता है कि सड़क सुरक्षा की चर्चा केवल वाहन चालकों, हेलमेट और सीट बेल्ट तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। पैदल यात्री भी सड़क व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उनकी सुरक्षा को प्राथमिकता देना आवश्यक है। फुटपाथों पर अतिक्रमण कोई अचानक पैदा हुई समस्या नहीं है। कई शहरों में वर्षों से फुटपाथों पर कब्जे होते रहे हैं। नगर निकायों और प्रशासन की ओर से समय-समय पर अतिक्रमण हटाने के अभियान भी चलाए जाते हैं, लेकिन कुछ दिनों बाद स्थिति फिर पहले जैसी हो जाती है।

महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को प्रवेश का एक और अवसर

खाली सीटों को भरने के लिए 21 से 31 अगस्त तक होगी अतिरिक्त कॉलेज लेवल काउंसलिंग

ग्वालियर, जीएनएस। शैक्षणिक सत्र 2026-27 में महाविद्यालयों में प्रवेश से वंचित विद्यार्थियों को प्रवेश का एक और अवसर मिला है। उच्च शिक्षा विभाग ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं की रिक्त सीटों पर 21 से 31 अगस्त तक अतिरिक्त कॉलेज लेवल काउंसलिंग आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। इस चरण में प्रवेश ÷पहले आओ, पहले पाओ÷ के आधार पर दिया जाएगा।

प्रवेश प्रक्रिया ग्वालियर सहित प्रदेश के शासकीय, अनुदान प्राप्त अशासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में उपलब्ध रिक्त सीटों पर होगी। 31 अगस्त के बाद प्रवेश मान्य नहीं होगा। विद्यार्थियों को प्रवेश के लिए संबंधित महाविद्यालय से आवश्यक जानकारी एवं मार्गदर्शन प्राप्त करने की सलाह दी गई है। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (ह्ष्ट्ज्ञ्रक्ष) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए भी द्वितीय अतिरिक्त चरण की समय-सारणी जारी की गई है। इसके तहत 20 से 24 अगस्त तक पंजीयन एवं आवेदन, 20 से 25 अगस्त तक दस्तावेजों का सत्यापन और 27 अगस्त को मेरिट सूची जारी की जाएगी। 29 अगस्त को सीट आवंटन होगा। आवंटित विद्यार्थियों को 29 अगस्त से 2 सितंबर तक संबंधित हेल्प सेंटर पर मूल दस्तावेज एवं टीसी/माइग्रेशन प्रमाण-पत्र के साथ उपस्थित होकर भौतिक सत्यापन और लिंक ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। 29 अगस्त से 3 सितंबर तक प्रवेश शुल्क जमा किया जा सकेगा। निर्धारित समय-सीमा में शुल्क जमा नहीं करने पर प्रवेश मान्य नहीं होगा। उच्च शिक्षा विभाग ने महाविद्यालयों को निर्देश दिए हैं कि प्रवेश प्रक्रिया निर्धारित समय-सारणी के अनुसार सुचारु एवं समयबद्ध रूप से पूरी करें और विद्यार्थियों को आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग उपलब्ध कराया जाए।

संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

ग्वालियर, जीएनएस। संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की 650वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में श्री गुरु रविदास समरसता संकल्प अभियान एवं कलश यात्रा के तहत गुरुवार को बाल भवन ग्वालियर में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुए इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता कर संत रविदास जी के समरसता, समानता और सामाजिक एकता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर संत शिरोमणि रविदास जी महाराज के विचारों और उनके द्वारा दिए गए सामाजिक समरसता एवं मानव कल्याण के संदेश को स्मरण करते हुए समाज में आपसी भाईचारा, समानता और सद्भाव को मजबूत करने का आह्वान किया गया।

जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान समरसता यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। नगरीय निकाय क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्रों में समरसता का संदेश पहुंचाने के लिए दो रथ रवाना किए गए। ये रथ जिले के विभिन्न विकासखंडों एवं क्षेत्रों में पहुंचकर संत रविदास जी के जीवन, विचारों और सामाजिक समरसता के संदेश से आमजन को जोड़ेंगे। समरसता यात्रा के माध्यम से ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में नागरिकों को सामाजिक सद्भाव और समानता के प्रति जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम में विधायक श्री मोहन सिंह राठौर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री दुर्गेश कुंवर सिंह जाटव,एपेक्स बैंक के प्रशासक श्री महेन्द्र सिंह यादव, कुक्कुट विकास निगम के अध्यक्ष श्री केशव सिंह बघेल, महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान के अध्यक्ष श्री कौशल शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष ग्रामीण श्री प्रेम सिंह राजपूत सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की मौजूदगी में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित

ग्वालियर, जीएनएस। आगामी दिनों में आने वाले विभिन्न त्योहारों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में मनाने की अपील जिला स्तरीय शांति समिति द्वारा की गई है। जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक गुरुवार को कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान की अध्यक्षता एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर यादव की मौजूदगी में गुरुवार को कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों तथा शांति समिति के सदस्यों के साथ त्योहारों के दौरान की जाने वाली व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। शांति समिति की बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री संघप्रिय, एडीएम श्री सी वी प्रसाद सहित विभागीय अधिकारी एवं शांति समिति के सदस्यगण उपस्थित थे।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा कि जिले में सभी त्योहारों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने नगर निगम, पुलिस, विद्युत, स्वास्थ्य, यातायात सहित संबंधित विभागों को अपने-अपने दायित्वों का बेहतर समन्वय के साथ निर्वहन करने के निर्देश दिए। साथ ही त्योहारों के दौरान साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, प्रकाश व्यवस्था तथा प्रमुख धार्मिक स्थलों एवं आयोजन स्थलों पर आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने तथा आमजन की सुविधा का विशेष ध्यान रखने को कहा।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर यादव ने कहा कि त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। संवेदनशील एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में पुलिस की विशेष निगरानी रहेगी। उन्होंने सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाली भ्रामक एवं आपत्तिजनक सूचनाओं पर भी नजर रखने तथा अफवाहों से बचने के लिए नागरिकों से अपील की। बैठक में शांति समिति के सदस्यों ने भी त्योहारों के दौरान आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर अपने सुझाव दिए। अधिकारियों ने समिति के सदस्यों को आश्वस्त किया कि प्राप्त सुझावों पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

दिव्यांगजन अधिकारों के प्रभावी क्रियान्वयन से बनेगा समावेशी मध्यप्रदेश

भोपाल, जीएनएस। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन कल्याण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार दिव्यांगजनों को समान अधिकार, समान अवसर और सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। दिव्यांगजन केवल शासकीय योजनाओं के लाभार्थी नहीं, बल्कि प्रदेश के विकास की मुख्यधारा के समान सहभागी हैं। एक समावेशी समाज का निर्माण ही हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने यह बात भोपाल स्थित होटल पलाश में न्यायालय आयुक्त दिव्यांगजन, मध्यप्रदेश, भोपाल एवं साइटसेवर्स इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राज्य स्तरीय परामर्श कार्यक्रम "Building an Inclusive Madhya Pradesh: A Decade of the RPwD Act and State Disability Policy Dialogue" के उद्घाटन सत्र में कही। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार अधिनियम के प्रावधानों को प्रभावी ढंग से धरातल पर लागू करने के लिए संकल्पित है। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम (ऋक्च2ष्ठ ष्ह्ल), 2016 के लागू होने के दस वर्ष पूरे होना देश के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में लागू इस ऐतिहासिक अधिनियम ने देश में दिव्यांगता के प्रति सोच और दृष्टिकोण को नई दिशा दी है।

ग्राम तुरारी में श्री लाखन सिंह गुर्जर जी के यहाँ भारतीय जनता पार्टी के भव्य कार्य म के आयोजन कार्यकर्ता मिलन समारोह में सम्मिलित हुआ। जिसमें विधानसभा अध्यक्ष माननीय श्री नरेंद्र सिंह तोमर जी अपेक्स बैंक के अध्यक्ष श्री महेंद्र सिंह यादव जी, पूर्व विधायक श्री रामबरन सिंह गुर्जर जी गुर्जर महासभा के संभागीय अध्यक्ष श्री होतम सिंह ठेकेदार जी प्रदेश कार्य समिति सदस्य श्री बीरेन्द्र जैन जी एवं भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ता एवं नेता गड़ उपस्थित रहे।

नोटिस के जवाब में कार्यवाही न करने पर दो कर्मचारियों का तीन दिवस का वेतन काटा

ग्वालियर, जीएनएस। वार्ड 47 में सफाई व्यवस्था में लापरवाही मिलने पर क्षेत्र के जेडएचओ एवं डब्ल्यूएचओ को नोटिस जारी किए गए थे। नोटिस का जवाब न देने एवं कार्यवाही न करने पर दोनों कर्मचारियों का तीन दिवस का वेतन काटा गया।

मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने बताया कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था को दुरूस्त करने के लिए निगमायुक्त श्री संघ प्रिय के निर्देशन में निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में भ्रमण के दौरान वार्ड 47 करतार होटल के पास मुख्य मार्ग पर डिवाइडर किनारे कचरा प्वाइंट बंद कराने हेतु जारी किए गए नोटिस का जवाब न देने एवं इस संबंध में कोई प्रभावी कार्यवाही ना करने पर जोनल हेल्थ ऑफिसर वार्ड 47 श्री मनोज खरे एवं वार्ड हेल्थ ऑफिसर वार्ड 47 श्री अरुण खरे का तीन दिवस का वेतन कटौत्रा किया गया ।

समय पर कार्य पर उपस्थित न होने पर सहायक राजस्व निरीक्षक की एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकी

ग्वालियर, जीएनएस। नगर निगम द्वारा समय पर कार्य पर उपस्थित न होने एवं कार्य में अपेक्षित सुधार नहीं करने पर सहायक राजस्व निरीक्षक सुश्री लक्ष्मी धवलकर के विरुद्ध लघु शास्ति अधिरोपित की गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुश्री धवलकर को संपत्तिकर शाखा में आवक-जावक लिपिक का दायित्व सौंपा गया था, लेकिन वे कई बार निर्धारित समय पर कार्य पर उपस्थित नहीं हुईं। इस संबंध में कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया था। स्पष्टीकरण संतोषप्रद नहीं पाए जाने पर म.प्र. सिविल सेवा नियम 1966 के नियम 10 के अंतर्गत एक वेतनवृद्धि असंचयी प्रभाव से रोकने की कार्रवाई की गई है।

मुक्तिधामों की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए नगर निगम आयुक्त ने दिए निर्देश

ग्वालियर, जीएनएस। शहर के मुक्तिधामों में आम नागरिकों को बेहतर एवं आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार करने के उद्देश्य से नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने सभी क्षेत्राधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने निर्देशित किया है कि प्रत्येक क्षेत्राधिकारी अपने-अपने क्षेत्र अंतर्गत आने वाले मुक्तिधामों का निरीक्षण कर उनकी वर्तमान व्यवस्थाओं की जानकारी निर्धारित प्रारूप में तीन दिवस के भीतर उपलब्ध कराएं।

नगर निगम आयुक्त द्वारा जारी निर्देशों के तहत मुक्तिधामों में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी संकलित की जाएगी। इसमें दाह संस्कार की रसीद एवं शुल्क, लकड़ी एवं कंडे की उपलब्धता, मुक्तिधाम तक पहुंच मार्ग, दाह संस्कार के प्रकार, टीन शेड, बैठक व्यवस्था, पेयजल, साफ-सफाई, विद्युत व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की जानकारी शामिल है।

ट्रांस फैट मुक्त ग्वालियर की दिशा में बढ़ा महत्वपूर्ण कदम

ग्वालियर, जीएनएस। खाद्य सुरक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जेपाइगो एवं रिजॉल्व टू सेव लाइव्स के सहयोग से होटल सेंट्रल पार्क में ट्रांस फैट उन्मूलन विषय पर हितधारक उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में होटल, बेकरी एवं अन्य खाद्य व्यवसायों से जुड़े 78 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। गुरुवार को अपर जिला मजिस्ट्रेट श्री अनिल बनवारिया की मौजूदगी में आयोजित हुए कार्यक्रम में खाद्य व्यवसाय संचालकों को ट्रांस फैट से होने वाले स्वास्थ्य नुकसान, भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के निर्धारित मानकों तथा सुरक्षित खाद्य तेलों के उपयोग की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एम.एस. सागर भी मौजूद थे। विशेषज्ञों ने बताया कि ट्रांस फैट शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने और अच्छे कोलेस्ट्रॉल को कम करने के साथ हृदय रोग एवं मस्तिष्काघात का जोखिम बढ़ाता है।

शराबबंदी वाले राज्यों से लेकर अन्य हिस्सों तक सामने आती त्रासदियां, सवाल केवल कानून का नहीं बल्कि प्रभावी अमल और जवाबदेही का

जहरीली शराब का काला कारोबार और शासन की परीक्षा

वैश्विक स्तरपर हाल के दिनों में गुजरात के भावनगर जिले से सामने आई जहरीली शराब की त्रासदी ने एक बार फिर पूरे देश के सामने वह असहज प्रश्न खड़ा कर दिया है,जिसका उत्तर भारत वर्षों से तलाश रहा है जब शराबबंदी लागू है,जब कानून कठोर हैं,जब पुलिस, प्रशासन,आबकारी विभाग और खुफिया तंत्र मौजूद हैं, तब आखिर जहरीली और अवैध शराब आम लोगों तक पहुंचती कैसे है?20 अगस्त 2026 को उपलब्धनवीनतम रिपोर्टों के अनुसार भावनगर त्रासदी में मृतकों की संख्या सात से बढ़कर आठ हो गई है और करीब 39 लोग उपचाराधीन बताए गए हैं। जांच में कथित रूप से मेथनॉल से तैयार जहरीली शराब,लोकप्रिय ब्रांड की नकली बोतलों और अंतरराज्यीय आपूर्ति नेटवर्क के संकेत मिले हैं; पुलिस ने 21 आरोपियों को नामजद कर 13 गिरफ्तारियां किए जाने की भी जानकारी दी है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि भावनगर की घटना इसलिए और गंभीर है क्योंकि गुजरात भारत के उन राज्यों में है जहां दशकों से शराबबंदी लागू है।शराब की बिक्री,खरीद और सेवन पर प्रतिबंध का मूल उद्देश्य सामाजिक स्वास्थ्य, परिवारों की सुरक्षा और नशे से होने वाले अपराधों को नियंत्रित करना रहा है,लेकिन जमीन पर यदि प्रतिबंधित शराब भूमिगत बाजार में उपलब्ध हो जाए तो समस्या केवल शराब सेवन की नहीं रह जाती; वह अवैध अर्थव्यवस्था,संगठित अपराध, भ्रष्टाचार, नकली ब्रांड, रासायनिक विषाक्तता और प्रशासनिक विफलता का संयुक्त संकट बन जाती है।भावनगर में सामने आया कथित नकली आईएमएफएल नेटवर्क इसी खतरनाक तंत्र की ओर संकेत करता है। रिपोर्टों के अनुसार शराब कथित रूप से मध्य प्रदेश से कच्चे माल के साथ जुड़ी थी, जबकि निर्माण भावनगर क्षेत्र में किए जाने की बात जांच में सामने आई है।डिस्क्लेमर यह पूरी जानकारी मीडिया से ली गई है।

साथियों,लेकिन भावनगर की कहानी कोई अकेली कहानी नहीं है। यह भारत में जहरीली शराब की उन अनगिनत त्रासदियों की नई कड़ी है जिनमें गरीब और निम्न आय वर्ग के लोग सबसे अधिक प्रभावित होते रहे हैं।वर्ष 2024 में तमिलनाडु के कल्लाकुरिची में मेथनॉल- मिश्रित अवैध शराब ने ऐसा कहर बरपाया कि देश स्तब्ध रह गया। शुरुआती दिनों में मृतकों की संख्या तेजी से बढ़ी और अंततः सरकारी तथा मीडिया रिपोर्टों में 65 मौतों और 200 से अधिक लोगों के प्रभावित होने की जानकारी सामने आई।इस त्रासदी में उल्टी,पेटदर्द,दस्त और गंभीर विषाक्तता के लक्षणों के बाद लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया।जांच में मेथनॉल की मौजूदगी सामने आई, जबकि अवैध शराब के नेटवर्क से जुड़े लोगों पर कार्रवाई की गई और प्रशासनिक स्तर पर भी अधिकारियों के विरुद्ध कदम उठाए गए।कल्लाकुरिची से ठीक एक वर्ष पहले, मई 2023 में तमिलनाडु के विलुप्पुरम और चेंगलपट्टू जिलों में अवैध शराब पीने से 22 लोगों की मौत हुई थी। एक ही राज्य में लगातार दो वर्षों में ऐसी घटनाओं का सामने आना इस बात का प्रमाण है कि समस्या किसी एक गांव, एक शराब विक्रेता या एक स्थानीय गिरोह तक सीमित नहीं है। यह उस आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा है जिसमें अवैध उत्पादन, रसायनों का दुरुपयोग, वितरण स्थानीय संरक्षण और मांग,सभी एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

साथियों, गुजरात स्वयं इस संकट से बार-बार जूझता रहा है।जुलाई 2022 में बोटाद और आसपास के क्षेत्रों में जहरीली शराब की त्रासदी में सरकारी आंकड़ों के अनुसार मृतकों की संख्या 42 तक पहुंची थी।उस मामले में औद्योगिक मेथनॉल के इस्तेमाल की बातसामने आई थी और शुरुआती जांच में यह भी बताया गया था कि रासायनिक पदार्थ को शराब के रूप में इस्तेमाल किया गया। यह तथ्य अत्यंत महत्वपूर्ण है,क्योंकि मेथनॉल कोई सामान्य शराब नहीं है; यह औद्योगिक रसायन है और मानव शरीर में जाने पर गंभीर विषाक्तता,दृष्टि-हानि, अंगों की विफलता और मृत्यु तक का कारण बन सकता है। इसलिए जहरीली शराब की त्रासदी को केवल 'नकली शराब' कहकर समाप्त कर देना समस्या की वास्तविक गंभीरता को कम करके देखना होगा।गुजरात के इतिहास में इससे भी बड़ी त्रासदी जुलाई 2009 में सामने आई थी,जब अहमदाबाद में जहरीली शराब के सेवन से 136 लोगों की मौत हुई थी और सैकड़ों लोग अस्पताल पहुंचे थे। उस घटना के बाद अवैध शराब नेटवर्क पर बड़े पैमाने पर कार्रवाई और कानून को और कठोर बनाने की चर्चा हुई। लेकिन डेढ़ दशक से अधिक समय बाद भी 2022 और अब 2026 की घटनाएं यह पूछने के लिए मजबूर करती हैं कि क्या केवल कठोर कानून बनाना पर्याप्त है, अथवा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पूरी प्रशासनिक प्रणाली को पुनर्गठित करने की आवश्यकता है?

साथियों, यह प्रश्न केवल गुजरात तक सीमित नहीं है। बिहार में वर्ष 2022 की छपरा-केंद्रित जहरीली शराब त्रासदी में मृतकों की संख्या बाद में 80 से अधिक पहुंच गई; एक रिपोर्ट के अनुसार 17 दिसंबर तक आंकड़ा 81 तक पहुंच चुका था। बिहार में 2016 से शराबबंदी लागू होने के बावजूद इस तरह की घटनाओं का सामने आना भी उसी विरोधाभास को रेखांकित करता है,कानून की किताब में प्रतिबंध और जमीन पर अवैध आपूर्ति, दोनों साथ-साथ चल सकते हैं यदि प्रवर्तन व्यवस्था में गंभीर छेद हों।पंजाब में वर्ष 2020 की जहरीली शराब त्रासदी भी स्वतंत्र भारत की सबसे भयावह घटनाओं में गिनी जाती है। अमृतसर, तरनतारन और गुरदासपुर क्षेत्रों में अवैध शराब के सेवन से मृतकों की संख्या बाद की रिपोर्टों में 120 के आसपास पहुंची।रेउटर्स की शुरुआती रिपोर्ट में 86 मौतों की पुष्टि की गई थी, जबकि बाद की रिपोर्टिंग में आंकड़ा और बढ़ा। इतना ही नहीं, पंजाब में बाद के वर्षों में भी ऐसी घटनाएं सामने आती रहीं; 2025 में अमृतसर के मजीठा क्षेत्र में कथित जहरीली शराब से दो दर्जन से अधिक मौतों ने फिर वही सवाल उठाया कि पिछली त्रासदियों से आखिर कितना सबक लिया गया।

साथियों, इन घटनाओं को एक साथ देखने पर भारत के सामने एक भयावह पैटर्न उभरता है।एक राज्य में शराबबंदी है,दूसरे में शराब उपलब्ध है लेकिन गरीबों के लिए महंगी है;कहीं अवैध शराब सस्ती होने के कारण बिकती है, कहीं प्रतिबंध के कारण भूमिगत बाजार बनता है और कहीं संगठित अपराधी लोकप्रिय ब्रांड की बोतलों में जहरीला तरल भरकर उपभोक्ता को भ्रमित करते हैं। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि वास्तविक पीड़ित प्रायः वही लोग बनते हैं जिनके पास महंगी चिकित्सा सुविधा, कानूनी सहायता और सामाजिक सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होती। जहरीली शराब केवल शरीर को नहीं मारती; वह पूरे परिवार की आर्थिक रीढ़ तोड़ देती है। परिवार का कमाने वाला सदस्य मरता है तो पीछे बच्चों की शिक्षा, बुजुर्गों की देखभाल, कर्ज, भोजन और भविष्य सभी प्रश्न बनकर खड़े हो जाते हैं।

साथियों, इस संकट की जड़ में केवल उपभोक्ता को दोष देना आसान है, लेकिन पर्याप्त नहीं।निश्चित रूप सेअवैध शराब का सेवन गंभीर जोखिम है और लोगों को ऐसी शराब से दूर रहना चाहिए,परंतु शासन का दायित्व केवल नागरिकों को चेतावनी देना नहीं है।शासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि जहरीला उत्पाद बाजार तक पहुंच ही न सके। इसके लिए पुलिस और आबकारी विभाग की पारंपरिक छापेमारी व्यवस्था से आगे बढ़कर सप्लाई-चेन इंटेलिजेंस विकसित करनी होगी। मेथनॉल और अन्य औद्योगिक रसायनों की खरीद-बिक्री, परिवहन और अंतिम उपयोग की डिजिटल निगरानी, संदिग्ध थोक खरीद की पहचान,नकली बोतलों और लेबलों केउत्पादन पर कार्रवाई तथा अंतरराज्यीय सूचना साझाकरण को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए।भावनगर की घटना इस दृष्टि से विशेष चेतावनी है कि यदि जहरीली शराब कथित रूप से एक राज्य से दूसरे राज्य तक कच्चे माल के माध्यम से पहुंच सकती है और फिर स्थानीय स्तर पर तैयार होकर नकली ब्रांड के रूप में बाजार में जा सकती है, तो केवल जिला पुलिस की कार्रवाई पर्याप्त नहीं होगी। यह अंतरराज्यीय संगठित अपराध की तरह जांच मांगती है।पुलिस,आबकारी, राजस्व, रसायन एवं उद्योग विभाग, स्वास्थ्य विभाग और साइबर/वित्तीय जांच एजेंसियों के बीच वास्तविक समय में सूचना साझा करने की व्यवस्था आवश्यक है। जिस प्रकार मादक पदार्थों के नेटवर्क की जांच में वित्तीय लेनदेन, मोबाइल संचार और सप्लाई चैन का विश्लेषण किया जाता है, उसी प्रकार अवैध शराब के बड़े नेटवर्क पर भी सटीकता से किया जाना चाहिए।

साथियों, एक और महत्वपूर्ण प्रश्न प्रशासनिक जवाबदेही का है। हर त्रासदी के बाद कुछ गिरफ्तारियां,कुछ निलंबन और कुछ छापेमारी होती है;लेकिन कुछ महीनों बाद व्यवस्था फिर सामान्य हो जाती है। यही चक्र सबसे बड़ा खतरा है। आवश्यकता इस बात की है कि किसी क्षेत्र में अवैध शराब पकड़े जाने पर केवल विक्रेता नहीं, बल्कि उस क्षेत्र में लंबे समय तक चल रही अवैध भट्ठियों और वितरण नेटवर्क की प्रशासनिक जवाबदेही भी तय हो। यदि किसी इलाके में वर्षों से अवैध शराब बिक रही है, तो यह पूछना स्वाभाविक है कि स्थानीय खुफिया तंत्र को इसकी जानकारी क्यों नहीं हुई? यदि जानकारी थी तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? और यदि कार्रवाई हुई तो नेटवर्क इतनी सटिका से दोबारा कैसे खड़ा हो गया?

साथियों, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत को इस समस्या को केवल कानून-व्यवस्था के प्रश्न के रूप में नहीं बल्कि पब्लिक हेल्थ और फूड-सेफ्टी जैसी बहु-क्षेत्रीय चुनौती के रूप में देखना होगा।जहरीली शराब का संकट अचानक सामने आने वाली सामूहिक विषाक्तता है, इसलिए प्रत्येक जिले में त्वरित प्रतिक्रिया प्रोटोकॉल होना चाहिए।अस्पतालों में मेथनॉल विषाक्तता की पहचान तत्काल उपचार,विष-विज्ञान प्रयोगशालाओं की क्षमता और चिकित्सकों के लिए प्रशिक्षण को मजबूत करना होगा। घटना के शुरुआती घंटों में जितनी तेजी से संदिग्ध शराब के नमूने सुरक्षित किए जाएं और मरीजों की पहचान हो,उतनी ही अधिक जानें बचाई जा सकती हैं।इसके साथ ही उपभोक्ता जागरूकता को भीआधुनिक बनाया जाना चाहिए। केवल यह कहना कि अवैध शराब न पीएं पर्याप्त नहीं है। ग्रामीण और शहरी गरीब समुदायों तक स्थानीय भाषाओं में यह जानकारी पहुंचनी चाहिए कि मेथनॉल विषाक्तता के लक्षण क्या हैं,कब तत्काल अस्पताल जाना है, संदिग्ध शराब को छूने या पीने के बाद क्या करना है और किस प्रकार के उत्पादों से विशेष सावधानी बरतनी है। स्वास्थ्य व्यवस्था को भी यह समझना होगा कि जहरीली शराब की घटना में हर घंटा निर्णायक हो सकता है। साथियों, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भावनगर, कल्लाकुरिची,बोटाद,बिहार और पंजाब की घटनाओं को अलग-अलग राज्य की राजनीतिक घटनाओं के रूप में देखने की भूल नहीं की जानी चाहिए। इनके बीच एक साझा राष्ट्रीय चुनौती दिखाई देती है,अवैध शराब का बाजार मांग,गरीबी, बेरोजगारी कीमत, प्रतिबंध, संगठित अपराध, कमजोर निगरानी और भ्रष्टाचार के मिश्रण से पैदा होता है।इसलिए समाधान भी बहुआयामी होना चाहिए। शराबबंदी हो या नियंत्रित बिक्री दोनों मॉडलों में राज्य की प्राथमिक जिम्मेदारी नागरिकों की जान की सुरक्षा है।

110 छात्राओं ने कराया पिंक ड्राइविंग लाइसेंस के लिए पंजीयन

गर्ल्स कॉलेज में निःशुल्क ड्राइविंग लाइसेंस कैम्प का आयोजन

शिवपुरी जीएनएस

महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला शिवपुरी द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत कलेक्टर अर्पित वर्मा के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी धीरेंद्र सिंह जादौन के निर्देशन में बालिकाओं एवं महिलाओं के सशक्तिकरण तथा उन्हें सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से परिवहन विभाग के समन्वय से शासकीय कन्या महाविद्यालय, शिवपुरी में निःशुल्क पिंक ड्राइविंग लाइसेंस कैंप का आयोजन किया गया। कैंप के दौरान महाविद्यालय की 110 छात्राओं ने पिंक ड्राइविंग लाइसेंस के लिए पंजीयन कराया। इस दौरान छात्राओं को वाहन चलाते समय यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने, हेलमेट पहनने तथा सुरक्षित ड्राइविंग के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही छात्राओं को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में शासकीय कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.एनके जैन, एनएसएस जिला संगठन डॉ.एसएस खंडेलवाल, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रेनू राय सहित महिला एवं बाल विकास विभाग से सहायक संचालक पवन तिवारी, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना शाखा प्रभारी जीतेश जैन एवं पर्यवेक्षक आशा दुबे तथा महाविद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं महिला अधिकारों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी भी प्रदान की गई। छात्राओं को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, लाड़ली लक्ष्मी योजना तथा महिलाओं से संबंधित विभिन्न कानूनों एवं उनके अधिकारों के बारे में जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बालिकाओं को शिक्षा, आत्मनिर्भरता, सुरक्षा एवं समान अवसरों के महत्व के प्रति भी जागरूक किया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित इस पहल को बालिकाओं को सुरक्षित, आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया।

जीवाजी विश्वविद्यालय में अक्षय ऊर्जा दिवस पर निबंध प्रतियोगिता और चलचित्र के जरिए विद्यार्थियों को किया जागरूक

अक्षय ऊर्जा का प्रभावी उपयोग ही सुरक्षित भविष्य की राह : प्रो. गौर

ग्वालियर जीएनएस

जीवाजी विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व अध्ययनशाला में भारतीय ज्ञान परंपरा की त्रैमासिक गतिविधि के तहत अक्षय ऊर्जा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के तकनीकी शिक्षा संयोजक प्रो. मनोज कुमार गौर रहे। अध्यक्षता प्रो. हेमंत शर्मा ने की। विशिष्ट अतिथि शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के विभाग संयोजक डॉ. राजकुमार वाजपेई और कार्यक्रम संयोजक एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के नोडल अधिकारी प्रो. शांतिदेव सिसोदिया रहे।

भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखकर ऊर्जा का उपयोग जरूरी : प्रो. मनोज कुमार गौर ने कहा कि ऊर्जा के प्रभावी स्रोतों का उपयोग करते समय पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभावों को ध्यान में रखना जरूरी है। तकनीक के सही ज्ञान के साथ ऊर्जा स्रोतों का अधिकतम उपयोग किया जाए, लेकिन भविष्य की चुनौतियों और संभावनाओं पर भी चिंतन होना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित वातावरण मिल सके।

डॉ. राजकुमार वाजपेई ने भारतीय ज्ञान परंपरा में ऊर्जा स्रोतों के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रो. हेमंत शर्मा ने प्राकृतिक स्रोतों के

महत्व को रेखांकित किया। वहीं प्रो. शांतिदेव सिसोदिया ने विद्यार्थियों को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति संवेदनशील रहने और इस दिशा में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया।

निबंध प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा : अक्षय ऊर्जा दिवस के अवसर पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता में अर्थशास्त्र विभाग की प्रियंका दीक्षित, इतिहास विभाग के अभिषेक दुबे, मनोविज्ञान की ऐश्वर्या भार्गव, एमबीए बिजनेस इकोनॉमिक्स की काजल रावत, संग्रहालय विभाग की शिवी चौधरी और पुरातत्व विभाग की हनी राजा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेताओं के साथ अन्य प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया गया।

चलचित्र के जरिए समझाया अक्षय ऊर्जा का महत्व : कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को अक्षय ऊर्जा पर आधारित चलचित्र भी दिखाया गया। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को अक्षय ऊर्जा के सही उपयोग और संवर्धन के लिए प्रेरित किया गया।

ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक करना उद्देश्य : प्रो. शांतिदेव सिसोदिया ने बताया कि उच्च शिक्षा विभाग के निर्देश पर भारतीय ज्ञान परंपरा नोडल केंद्र में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय ज्ञान परंपरा की भावना को आत्मसात कराने के साथ अक्षय ऊर्जा के बेहतर उपयोग और ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में शिक्षक, शोधार्थी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

रेडिएंट ग्रुप के 26वें स्थापना दिवस पर दून पब्लिक स्कूल में हुआ वृहद पौधारोपण

नन्हे बच्चों ने किया धरती माता का श्रृंगार : आईजी राजीव कुमार ठाकुर

शिवपुरी जीएनएस

रेडिएंट ग्रुप द्वारा संचालित दून पब्लिक स्कूल परिसर में संस्था का 26वां स्थापना दिवस बड़े ही उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण को समर्पित एक विशेष पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सीआरपीएफ के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) राजीव कुमार ठाकुर ने बच्चों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि दून पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने पौधे रोपकर धरती माता का सच्चा श्रृंगार किया है। यह पहल प्रकृति संरक्षण में अत्यंत उल्लेखनीय भूमिका निभाएगी। उन्होंने बेहद सरल और सहज भाषा में विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण

का महत्व समझाया। समारोह में विशिष्ट अतिथि सीआरपीएफ के डिप्टी कमांडेंट अमरजीत कुमार गुप्ता ने बच्चों में सामाजिक मूल्यों के बीजारोपण के लिए दून पब्लिक स्कूल प्रबंधन की सराहना की। वहीं क्राइम ब्रांच अधिकारी श्रीमती जागृति दुबे ने भी अपने बच्चों के साथ पौधारोपण में भाग लिया और विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के प्रारंभ में डायरेक्टर शाहिद खान एवं डॉ. खुशी खान ने मुख्य अतिथि आईजी राजीव कुमार ठाकुर, विशिष्ट अतिथि डिप्टी कमांडेंट अमरजीत कुमार गुप्ता एवं क्राइम ब्रांच अधिकारी श्रीमती जागृति दुबे को बुके, स्मृति चिन्ह एवं पुस्तकें भेंटकर उनका भावभिना अभिनंदन किया। समारोह में बड़ी संख्या में संस्था के छात्र-छात्राएं, अभिभावक और स्टाफ मौजूद रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन अखलाक खान ने किया तथा आभार प्रदर्शन दून पब्लिक स्कूल के इको क्लब एवं ग्रीन गार्डन क्लब के मेंटोर्स द्वारा व्यक्त किया गया।

एक पेड़ मां के नाम अभियान में बच्चों ने दिखाई रुचि : विद्यालय की डायरेक्टर डॉ. खुशी खान ने बताया कि स्कूल में संचालित ग्रीन गार्डन क्लब एवं इको क्लब के माध्यम से वर्ष भर पर्यावरण जागरूकता की गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। इसी क्रम में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के तहत एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत बच्चों ने अपनी माताओं के साथ मिलकर उत्साहपूर्वक फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया और धरती को हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया।

जिले में अभी तक 528.93 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

शिवपुरी-शिवपुरी जिले में 01 जून 2026 से अभी तक 528.93 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। जिले में गत वर्ष आज दिनांक तक 1120.19 मि.मी. औसत वर्षा हुई थी। भू-अभिलेख शिवपुरी के अधीक्षक ने बताया कि जिले की औसत वर्षा 816.3 मि.मी.है। गत वर्ष जिले में कुल 1585.86 मि.मी.वर्षा रिकॉर्ड की गई थी। अभी तक शिवपुरी में 570.60 मि.मी., बैराढ़ में 378 मि.मी., पोहरी में 550 मि.मी., नरवर में 523 मि.मी., करैरा में 490.30 मि.मी., पिछोर में 502 मि.मी., कोलारस में 556.50 मि.मी., बदरवास में 657.50 मि.मी. तथा खनियाधाना में 532.50 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है।

गायत्री प्रज्ञा पीठ में प्रतिदिन हो रहा शिव अभिषेक और रुद्र यज्ञ

ग्वालियर जीएनएस

गायत्री प्रज्ञा पीठ में सावन माह की शुरुआत से ही प्रतिदिन शिव अभिषेक एवं रुद्र यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। धार्मिक अनुष्ठान में श्रद्धालु परिवार बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं और भगवान शिव की आराधना कर रहे हैं।

गायत्री प्रज्ञा पीठ के ट्रस्टी शिववीर सिंह चौहान ने बताया कि सावन माह प्रारंभ होने के साथ ही कई परिवारों द्वारा शिव अभिषेक और रुद्र यज्ञ कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि धार्मिक आयोजनों का उद्देश्य आध्यात्मिक वातावरण का निर्माण और समाज में धार्मिक संस्कारों को बढ़ावा देना है। आयोजन में श्रीमती दयावती देवी, श्रीमती क्रांति बेनीवाल, श्रीमती पुष्पा कुशवाहा, श्रीमती गायत्री उपाध्याय, रविंद्र तंबोली, श्रीमती पूजा तंबोली, श्रीमती सरला देवी, श्रीमती अलका राजावत, श्रीमती ममता चौहान, श्रीमती वीणा चतुर्वेदी, श्रीमती गिरिजा शुक्ला, श्रीमती कल्पना गुप्ता, श्रीमती खुशबू गुप्ता, डॉ. आरती सिंह, यशवंत सिंह, राकेश सिंह, डॉ. विक्रम सिंह, श्रीमती शीला तोमर और श्रीमती सुमन परिहार सहित श्रद्धालुओं का विशेष सहयोग मिल रहा है।

सोलह श्रृंगार, कैटवॉक और विभिन्न गतिविधियों के आधार पर हुआ चयन; शेफाली जैन द्वितीय और नीता जैन तृतीय रहीं

उमंग सखी ने मनाया हरियाली तीज उत्सव, प्रियंका जैन बनीं हरियाली क्वीन

ग्वालियर जीएनएस

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप ग्रेटर ग्वालियर की महिला टीम 'उमंग सखी' की ओर से गत दिवस वर्धमान बैंक्वेट हॉल में हरियाली तीज उत्सव उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में ग्रुप परिवार की 100 से अधिक महिलाओं ने सोलह श्रृंगार कर उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस दौरान सावन के गीतों की प्रस्तुतियों के साथ महिलाओं ने झूलों का आनंद लिया और जमकर उत्सव मनाया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मिस इंडिया नेशन हिमांशी शर्मा और विशेष अतिथि नविता जैन उपस्थित रहीं। मुख्य अतिथि हिमांशी शर्मा ने महिलाओं को आयोजन की बधाई देते हुए उनके उत्साह, ऊर्जा और सामूहिक सहभागिता की सराहना की।

सामूहिक प्रयास का उदाहरण बना आयोजन : प्रियंका जैन एवं राखी जैन ने बताया कि ग्रुप का हरियाली तीज उत्सव किसी एक व्यक्ति का

आयोजन नहीं, बल्कि सभी महिलाओं के सामूहिक प्रयास से तैयार किया जाता है। यह आयोजन महिलाओं के बीच सामंजस्य, सहयोग और एकजुटता का उदाहरण है।

प्रियंका जैन ने जीता हरियाली क्वीन का ताज : हरियाली क्वीन के चयन के लिए कैटवॉक, ड्रेसअप, सोलह श्रृंगार और प्रश्नोत्तर सहित विभिन्न राउंड आयोजित किए गए। सभी गतिविधियों में प्रदर्शन के आधार पर प्रियंका जैन ने हरियाली क्वीन का ताज अपने नाम किया। शेफाली जैन द्वितीय और नीता जैन तृतीय स्थान पर रहीं।

कार्यक्रम में सरोज जैन, महिमा चौधरी जैन, पल्लवी जैन, अंजू चौधरी, अंकिता जैन, अमृता जैन, रश्मि जैन, मिनी जैन, सुनैना जैन, सीमा जैन, मधु जैन, नेहा जैन, अपूर्वा जैन, कमलेश जैन, ममता जैन, हेमा जैन, सोनल जैन, दीपिका जैन, मोनिका जैन, हिमानी जैन, श्वेता जैन, शिक्षा जैन, संश्रिता जैन, पूजा जैन, निधि जैन सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए बनी है व्हीबी-जी राम जी योजना

ग्वालियर, जीएनएस। व्हीबी-जी राम जी योजना के तहत गुरुवार को बाल भवन के सभागार में सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह के मुख्य आतिथ्य में पंच-सरपंच सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सांसद श्री कुशवाह ने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को ध्यान में रखकर ग्रामीण क्षेत्र के सम्पूर्ण विकास के उद्देश्य से व्ही बी जी राम जी योजना शुरू की गई है। इस योजना में नवीन आयाम जोड़े गए हैं। उन्होंने पूर्व में चल रही मनरेगा योजना एवं व्ही बी जी राम जी योजना के अंतर को विस्तार से समझाया। सांसद श्री कुशवाह ने कार्यक्रम में मौजूद सरपंचों एवं पंचों से आह्वान किया कि ग्राम पंचायत अपने आप में गाँव की सरकार हैं। इसलिए सम्पूर्ण ग्राम पंचायत का मुखिया होने के नाते सरपंच अपनी पंचायत के प्रत्येक वार्ड और सभी क्षेत्रों में प्रत्येक वर्ग को ध्यान में रखकर योजना बनाएं और संकल्पित होकर कार्य करें।

कार्यक्रम में मध्य प्रदेश राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम के अध्यक्ष श्री केशव सिंह बघेल, जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुंवर जाटव ,विधायक श्री मोहन सिंह राठोर, जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी श्री प्रेम सिंह राजपूत एवं जनपद पंचायतों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष ,सरपंच व पंचगण शामिल हुए। साथ ही जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुंवर एवं भितरवार विधायक श्री मोहन सिंह राठौर के द्वारा व्ही बी जी राम जी योजना के प्रावधानों के माध्यम से ग्रामीण विकास के क्षेत्र में सरपंच एवं पंच की भूमिका के सम्बन्ध में एवं उनके अधिकार और उत्तरदायित्वों की जानकारी दी। साथ ही व्ही बी जी राम जी योजना के माध्यम से विकसित ग्राम पंचायत और विकसित भारत की संकल्पना पर जोर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सोजान सिंह रावत ने व्ही बी जी राम जी योजना के प्रावधानों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा अब नल जल योजनाओं के संधारण एवं संचालन में ग्राम पंचायतों की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही व्ही बी जी राम जी योजना के तहत सम्पूर्ण ग्राम विकास की रूपरेखा एवं कार्यों के प्रावधानों के बारे में विस्तार से अवगत कराया।मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा व्ही बी जी रामजी योजना रोजगार से स्वरोजगार और स्वरोजगार से रोजगार प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आरंभ में सांसद श्री कुशवाह सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर पंच-सरपंच सम्मेलन का शुभारंभ किया।कार्यक्रम के अंत में परियोजना अधिकारी जिला पंचायत श्री वेदव्रत व्यास द्वारा सभी अतिथिगण, जनप्रतिनिधि सरपंच, पंच, एवं शासकीय सेवकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

पैगम्बरे आज़म की आमद पर जुलूस-ए-मुहम्मदी शानो शौकत से निकालें और अदब का खास् ख्याल रखें

जालौन, जीएनएस। इस्लामी साल का ये तीसरा महीना है जिसे रबी-उल्-अव्वल के नाम से जाना जाता है, इस महीने का चाँद नज़र आते ही खूब रौनक बढ़ जाती है। इस बार 26 अगस्त बरोज़ बुध को पिछली रिवायात के मुताबिक बड़े ही शानो शौकत के साथ में जुलूस-ए-मोहम्मदी निकाला जाएगा आप लोगों से गुज़ारिश है कि जुलूस में बड़े ही अदब और अखलाक के साथ में सलातो सलाम , नात पाक पढ़ते हुए चलें दारुल उलूम गौसिया मजीदिया के नाज़िमें आला अलहाज हाफिज इरशाद अशरफी ने बताया कि इस्लाम के पैगम्बर आखिरी नबी की आमद(पैदाइश) जब इस दुनिया मैं हुई नही थी तब दुनियादार लोग हराम नाजायज कामों में अपनी जिंदगी गुज़रते थे। और जब अल्लाह

ने अपने फ़ज़्लो करम से इस दुनिया मे अपने महबूब नबी-ए-करीम सल्लल्लाहो अलैह वसल्लम को पैदा फरमाया तो हर तरफ इंसानियत और अमन का परचम बुलंद होने लगा लोगों के बीच से नाजायज़ व हराम काम दूर हुए और दीन की राह में लोग चलने लगे दारुल उलूम गौसिया मजीदिया के प्रिंसिपल मुफ़्ती तारिक़ अख्तर ने बताया कि जब हमारे आका हुज़ूर पैगंबर-ए-आजम की इस दुनिया में आमद(जन्म हुआ) तो वह वक्त सुबह सादिक यानी भोर सवेरा था। अल्लाह के हुक्म से मासूम फरिश्ते महबूबे खुदा की आमद पर दुरूद व सलाम पेश कर रहे थे तो उसी नबी की आमद की खुशी पर आज भी पूरी दुनिया में मुसलमान अपने आका का मिलाद मनाते हैं हर मोहल्ले गलियों और घरों को सजाया जाता है और धूमधाम से जुलूस निकालते हैं तकिया मस्जिद के इमाम अलहाज अब्दुल मुजीब ने बताया कि हम लोग अपने आका के आने की खुशी में खूब सजावट व रोशनी और लंगर करते हैं।

कोतवाली पुलिस टीम ने आधा दर्जन बैंकों में सुरक्षा व्यवस्था हेतु लिया जायजा

जालौन, जीएनएस। प्रभारी निरीक्षक के निर्देश पर सदर उप निरीक्षक पुलिस बल के साथ नगर में स्थित आधा दर्जन बैंकों में चैकिंग कर संदिग्ध अवस्था में पाए गए लोगों को फटकार लगाकर घर जाने के कड़े निर्देश दिए।

गुरुवार को सुबह प्रभारी निरीक्षक इंचार्ज अतिरिक्त कानून इंस्पेक्टर अवनीश कुमार के निर्देश पर उप निरीक्षक दयाशंकर सिंह कोतवाली कार्यालय प्रधान लिपिक राम सिंह आदि पुलिस बल के साथ रेलवे स्टेशन के समीप स्थित भारतीय स्टेट बैंक में पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा बैंक के बाहर संदिग्ध अवस्था में खड़े लोगों से बातचीत कर सीधे घर जाने के निर्देश दिए साथ में उन्होंने खड़ी बाइकों के लॉक को चेक किया सभी बाइकों में लॉक बंद पाए गए फिर इसी क्रम में टरननगंज स्थित इलाहाबाद बैंक सिंडिकेट बैंक इंडियन मंडी बैंक आफ बड़ौदा बैंक कोऑपरेटिव बैंक आर्यावर्त बैंक आदि बैंकों में अलग-अलग समय में पहुंचकर पुलिस जवानों के उपस्थिति रजिस्टर का निरीक्षण किया साथ में उन्होंने मौजूद शाखा प्रबंधकों से सुरक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी ली वहीं मौजूद ग्राहकों से बातचीत कर बैंक से सीधे घर जाने के निर्देश दिए बैंक के बाहर खड़े कई संदिग्ध लोगों से जमकर पुछताछ की साथ उन्होंने फटकार लगाकर सीधे घर जाने के निर्देश दिए साथ में उन्होंने कहा कि जिन ग्राहकों के बैंक से संबंधित कार्य हो वह बैंक के अंदर जाकर शाखा प्रबंधक से मिलकर अपने कार्य को करवाए तथा बैंक से वापस सीधे घर जाने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि बैंक के बाहर यदि कोई भी व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में खड़े मिला ऐसे लोगों को हिरासत में लेकर कानून का शिकंजा कसते हुए कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

भितरवार। विधायक मोहन सिंह राठौर पहुंचे ग्राम आंतरी, होनहार छात्र ईसाना खान जी के कक्षा 10वीं में 97 उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने पर उनके निवास पहुंचकर विधायक मोहन उत्फत सिंह राठौर जी ने सम्मानित किया एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। ईसाना जी की यह शानदार उपलब्धि उनकी मेहनत, लगन और समर्पण का परिणाम है,... उनकी सफलता निश्चित रूप से क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक है।

शिवपुरी में शक्कर 75 रुपये किलो, 5 दिन में 20 रुपये की तेजी से किचन का बजट बिगड़ा

शक्कर की कालाबाजारी चरम पर, गोदामों में स्टॉक फिर भी बाजार में कृत्रिम कमी

शिवपुरी, जीएनएस। शहर में शक्कर के दाम आसमान छू रहे हैं। खुदरा बाजार में शक्कर 75 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। पिछले 5 दिनों में ही शक्कर के दामों में 15 से 20 रुपये की तेजी आई है, जिससे आम जनता का किचन बजट पूरी तरह बिगड़ गया है। त्योहारों के सीजन से पहले आई इस तेजी से गृहणियां परेशान हैं। थोक बाजार में दाम बढ़ने का असर सीधे खुदरा बाजार पर पड़ा है। जनता का आरोप है कि यह तेजी कृत्रिम है और कुछ बड़े व्यापारी इसका फायदा उठा रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार शहर के कई गोदामों में बड़ी मात्रा में शक्कर का स्टॉक जमा है, लेकिन बाजार में कमी दिखाकर दाम बढ़ाए जा रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा स्टॉक सीमा निर्धारित किए जाने के बावजूद कई व्यापारी इसका पालन नहीं कर रहे हैं। खाद्य विभाग की अनदेखी के चलते कालाबाजारी को बढ़ावा मिल रहा है। आम उपभोक्ताओं ने जिला प्रशासन से मांग की है कि शक्कर के गोदामों का भौतिक सत्यापन कराया जाए, स्टॉक सीमा का कड़ाई से पालन कराया जाए और कालाबाजारी करने वाले व्यापारियों पर कार्रवाई की जाए।

राज्य वित्त आयोग की वेबसाइट का लोकार्पण: उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा की उपस्थिति में अध्यक्ष श्री पवैया ने किया लोकार्पण

भोपाल, जीएनएस। राज्य वित्त आयोग की आधिकारिक वेबसाइट www.sfc.mp.gov.in का लोकार्पण आज वल्लभ भवन में किया गया। उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा की उपस्थिति में आयोग के अध्यक्ष श्री जयभान सिंह पवैया ने वेबसाइट का लोकार्पण किया। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी, आयोग के सदस्य श्री के.के. सिंह, श्री वीरेंद्र कुमार तथा अन्य अधिकारी मौजूद रहे। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि प्रदेश में नगरीय निकाय और पंचायतें मिलकर व्यापक नागरिक सहभागिता का आधार बनती हैं। उन्होंने कहा कि इन संस्थाओं के माध्यम से जनता की अपेक्षाएं और सुझाव सीधे शासन तक पहुंचते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब इन सुझावों को आयोग की कार्य प्रणाली में शामिल किया जाएगा, तो इसका लाभ पूरे प्रदेश को मिलेगा। उन्होंने कहा कि नई वेबसाइट से आम नागरिक भी आयोग की गतिविधियों से सीधे जुड़ सकेंगे। लोग अपने सुझाव भी ऑनलाइन दे पाएंगे। उन्होंने आयोग के सभी सदस्यों और अधिकारियों को इस पहल के लिए बधाई दी। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि एक ही स्थान पर सभी महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध होने से जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, विशेषज्ञों और आम नागरिकों को सुविधा मिलेगी।

अपर मुख्य सचिव श्री रस्तोगी ने कहा कि यह वेबसाइट भविष्य में अत्यंत उपयोगी साबित होगी। उन्होंने कहा कि आयोग की सूचनाएं, गतिविधियां और अनुशंसाएं अब डिजिटल रूप में आसानी से उपलब्ध होंगी। इससे सूचना तक पहुंच सरल होगी और कार्यों में पारदर्शिता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि यह प्लेटफॉर्म स्थानीय निकायों की वित्तीय व्यवस्था पर संवाद का प्रभावी माध्यम बनेगा।

राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष श्री जयभान सिंह पवैया ने कहा कि आयोग पंचायतों और नगरपालिकाओं की वित्तीय स्थिति का पुनरावलोकन करेगा। वह उनके संसाधनों को मजबूत करने के लिए ठोस अनुशंसाएं देगा। उन्होंने कहा कि वेबसाइट आयोग के कार्यों को जनता तक पहुंचाने और सुझाव प्राप्त करने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी। वेबसाइट के माध्यम से आयोग की कार्य प्रणाली, गतिविधियां और अनुशंसाएं अब डिजिटल रूप में उपलब्ध होंगी। पंचायतों और नगरीय निकायों की वित्तीय व्यवस्था से जुड़ी जानकारी भी आसानी से प्राप्त की जा सकेगी। इससे जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, विशेषज्ञों और आम नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा। आयोग राज्य के करों, शुल्कों, पथकरों और फीस के शुद्ध राजस्व के वितरण की समीक्षा करेगा। वह राज्य, पंचायतों और नगरीय निकायों के बीच संसाधनों के न्यायसंगत बंटवारे पर सुझाव देगा। साथ ही, स्थानीय निकायों को मिलने वाले करों और अनुदानों के सिद्धांतों पर भी विचार करेगा। आयोग भूमि कर, स्टाम्प शुल्क और पेट्रोलियम उत्पादों पर कर से प्राप्त राजस्व के वितरण पर भी सुझाव देगा। इसका उद्देश्य स्थानीय निकायों की वित्तीय स्थिति को मजबूत करना है। इसके अतिरिक्त आयोग ऋण दायित्व, ब्याज भुगतान और स्थापना व्यय की सीमाओं पर भी विचार करेगा। वह पूंजीगत व्यय, जन-सुविधाओं के विस्तार और प्रोत्साहन नीति पर भी अनुशंसाएं देगा। आयोग लेखा परीक्षण व्यवस्था की समीक्षा करेगा और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यों को प्रोत्साहित करेगा। वह जन-सुविधाओं के संचालन और रखरखाव में व्यय के युक्तियुक्तकरण पर भी सुझाव देगा। वेबसाइट का शुभारंभ राज्य वित्त आयोग की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी, सरल और डिजिटल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

विजेता छात्र-छात्राओं और अतिथियों का हुआ सम्मान

गुना, जीएनएस।
मानस भवन निर्माण एवं संचालन समिति द्वारा तुलसी जयंती समारोह का समापन कार्यक्रम गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि साध्वी प्रियंका भारती एवं समिति अध्यक्ष तथा कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल रहे। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन और गोस्वामी तुलसीदास के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके पश्चात वंदे मातरम का गायन हुआ।

उपाध्यक्ष निकलंक जैन ने स्वागत भाषण दिया। समिति के उपाध्यक्ष निकलंक जैन, मंत्री सुनील अग्रवाल और कोषाध्यक्ष प्रदीप तायल ने अतिथियों का स्मृति चिह्न एवं दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया। इस अवसर पर प्राचीन शिव मंदिर के पुजारी कौशलपुरी महाराज, कृष्ण मुरारी शर्मा, राजनारायण, मनोज शर्मा, धर्मवीर शर्मा, चंद्रशेखर तिवारी, महेश शर्मा, नरेंद्र अवस्थी, प्रमोद भार्गव तथा बाल संस्कार शिविर के प्रशिक्षक वाचस्पति बेनी प्रसाद

शास्त्री और आचार्य भुवन मोहन वशिष्ठ का सूत माला, दुपट्टा एवं भेंट देकर सम्मान किया गया।

समारोह में रामायण पर आधारित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। प्रश्न मंच प्रतियोगिता में सत्य साई विद्या विहार स्कूल प्रथम, वंदना कॉन्वेंट स्कूल द्वितीय और प्रेसीडेंसी स्कूल तृतीय स्थान पर रहा। रामलीला मंचन प्रतियोगिता में सांदीपनी स्कूल ने प्रथम, शांति पब्लिक स्कूल ने द्वितीय और शासकीय महारानी कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त करने वाले सीनियर वर्ग के ललित धाकड़, वैष्णवी शिवहरे, लक्ष्मी शर्मा, जूनियर वर्ग की अनुष्का रघुवंशी, मानवी ओझा, कात्यायनी सोनी तथा महाविद्यालय वर्ग की रमन किरार और चेल्सी शर्मा को प्रमाण पत्र, पुरस्कार एवं अयोध्या धाम यात्रा का टिकट प्रदान किया गया। कार्यक्रम में विवेक गर्ग ने समिति के कार्यों की सराहना की, जबकि कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने भारत को श्रेष्ठ बनाने में युवाओं की भूमिका विषय पर विचार रखे। आयोजन में अनिल भार्गव, आलोक उपाध्याय, मदन सोनी, प्रभात गोंडल, अतुल अग्रवाल, आशीष मंगल और संजीव विजयवर्गीय का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन उपमंत्री दिनेश चंद शर्मा ने किया एवं आभार आशीष मंगल ने व्यक्त किया।

आधुनिक भारत के प्रणेता राजीव गांधी को कांग्रेस ने किया याद, जयंती पर लिया संकल्प

गुना, जीएनएस।
पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की 82वीं जयंती के अवसर पर कांग्रेस पार्टी द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कांग्रेस भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए शहर कांग्रेस अध्यक्ष रजनीश शर्मा और बमौरी विधायक इंजी. ऋषि

अग्रवाल ने उनके योगदान को याद किया और अपने विचार व्यक्त किए। शहर कांग्रेस अध्यक्ष रजनीश शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी आधुनिक भारत के सच्चे प्रणेता थे। देश में पंचायती राज व्यवस्था को लागू करने का श्रेय उन्हीं को जाता है, जिससे ग्रामीण भारत को मजबूती मिली। राजीव गांधी ने 18 वर्ष की आयु में युवाओं को मताधिकार की सौगात दी और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए संविधान संशोधन के माध्यम से आरक्षण का मार्ग प्रशस्त किया। वे जीवनभर विश्व शांति के लिए प्रयासरत रहे और देश की एकता व अखंडता के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। यही कारण है कि उनकी जयंती को पूरे देश में सद्भावना दिवस के रूप में मनाया जाता है। बमौरी विधायक इंजी. ऋषि अग्रवाल ने कहा कि राजीव गांधी ने मात्र 40 वर्ष की आयु में देश के प्रधानमंत्री का पद संभाला था।

सामाजिक न्याय एवं श्रम विभाग की योजनाओं की कलेक्टर ने की समीक्षा

गुना, जीएनएस।
कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण तथा श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पेंशन योजनाओं, दिव्यांगजन कल्याण, मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना, राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना, स्पर्श एवं यूडीआईडी पोर्टल, मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल 2.0) योजना, श्रमिक पंजीयन, बाल एवं बंधुआ श्रम उन्मूलन तथा सीएम हेल्पलाइन सहित विभिन्न योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की गई।

?बैठक में कलेक्टर श्री कन्याल ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पहुंचाया जाए। उन्होंने लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करने तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए।

?मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि शासन के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 20 नवंबर 26 को सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राही जोड़े को कुल 55 हजार रुपये की सहायता प्रदान की जाती है, जिसमें वधू को 49 हजार रुपये तथा आयोजन व्यवस्था के लिए 6 हजार रुपये की राशि निर्धारित है। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र जोड़ों का समय पर पंजीयन कराकर सम्मेलन की सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की जाएं।

?बैठक में राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, वृद्धाश्रम संचालन, जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र तथा नशा मुक्ति अभियान की भी समीक्षा की गई।

मुक्तिधाम पर कब्जे से सडक़ पर अंतिम संस्कार की तैयारी, बमोरी के खुरदौन में हंगामा

गुना, जीएनएस।
जिले की बमोरी तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत बनेह के खुरदौन गांव में मुक्तिधाम की जमीन पर अवैध कब्जे के कारण मानवता को शर्मसार कर देने वाली स्थिति निर्मित हो गई। गाँव में मुक्तिधाम के अभाव में परिजन और ग्रामीण एक 15 वर्षीय किशोरी के शव का अंतिम संस्कार सडक़ पर ही करने को मजबूर हो गए। सूचना मिलते ही प्रशासनिक अमले में हडक़ंप मच गया और मौके पर पहुँची टीम ने कब्जा हटाकर देर रात अंतिम संस्कार संपन्न कराया। पट्टे के नाम पर मुक्तिधाम की जमीन पर कब्जा, चबूतरा तक नहीं

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मामला 19 अगस्त का है, जहाँ दोपहर में गाँव की एक किशोरी का निधन हो गया था। परिजन जब शाम करीब 4 बजे अंतिम संस्कार के लिए निकले, तो मुक्तिधाम की जमीन पर अतिक्रमण और तार फेंसिंग लगी मिली। ग्रामीणों का आरोप है कि पट्टे के नाम पर मुक्तिधाम की सरकारी जमीन पर कब्जा कर लिया गया है, जिसके चलते यहाँ शवदाह के लिए चबूतरा तक नहीं बन सका है। जगह न मिलने से आक्रोशित ग्रामीणों ने सडक़ पर ही अंतिम संस्कार करने का निर्णय ले लिया और शव को सडक़ पर रख दिया।

नन्हे सितारों की ज्ञान लिखित परीक्षा में 150 विद्यार्थियों ने दिखाया उत्साह

जयपुर, जीएनएस।
राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय घाट गेट, जयपुर में ÷नन्हे सितारों की ज्ञान लिखित परीक्षा÷ का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में करीब डेढ़ सौ छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मेरा अधिकार संस्था के मीडिया प्रभारी सुनील जैन ने बताया कि प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को सामान्य ज्ञान से संबंधित प्रश्न दिए गए, जिनका बच्चों ने उत्साह और आत्मविश्वास के साथ उत्तर दिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों के सामान्य ज्ञान में वृद्धि करना तथा उनकी प्रतिभा को मंच प्रदान करना रहा।

विद्यालय की प्रधानाचार्य अनसूया शर्मा ने विजेता विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सामान्य ज्ञान विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसी प्रतियोगिताओं से बच्चों में ज्ञान के प्रति रुचि बढ़ती है, आत्मविश्वास मजबूत होता है और आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों को दिया नेतृत्व, सेवा और राष्ट्र निर्माण का प्रशिक्षण

ग्वालियर, जीएनएस।
युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत केंद्र, ग्वालियर द्वारा आयोजित 6 दिवसीय क्लस्टर स्तरीय राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक अभिमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम 2026-27 का शुभारंभ आज लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक प्रशिक्षण संस्थान (स्द्बक्क्रश्व), ग्वालियर में किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 20 अगस्त से 25 अगस्त 2026 तक आयोजित किया जा रहा है।

इस क्लस्टर स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्वालियर, भिंड, मुरैना, दतिया एवं श्योपुर जिलों के सभी नवचयनित राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक

सहभागिता कर रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान स्वयंसेवकों को नेतृत्व क्षमता, व्यक्तित्व विकास, सामाजिक सहभागिता, राष्ट्र निर्माण, युवा विकास एवं विभिन्न सामाजिक गतिविधियों से जुड़े विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक श्री मोहन सिंह राठौर जी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं। स्वयंसेवकों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर सेवा, जागरूकता और सकारात्मक बदलाव का माध्यम बनना चाहिए। युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित कर उन्हें राष्ट्र निर्माण की दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुंवर सिंह जाटव जी ने की। उन्होंने कहा कि युवा स्वयंसेवक समाज में जागरूकता और विकास की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। प्रशिक्षण के माध्यम से प्राप्त ज्ञान और अनुभव को गांव, समाज एवं आमजन के हित में उपयोग करना चाहिए। मेरा युवा भारत केंद्र, ग्वालियर की जिला युवा अधिकारी श्रीमती अंजली कुमारी ने मेरा युवा भारत के उद्देश्य, गतिविधियों एवं युवाओं के लिए।

कलेक्टर वर्मा की अध्यक्षता में जिला खनिज प्रतिष्ठान समिति की बैठक हुई आयोजित

स्कूलों का जीर्णोद्धार और पेयजल रहेगी सर्वोच्च प्राथमिकता

शिवपुरी जीएनएस

कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला खनिज प्रतिष्ठान समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में खनन प्रभावित क्षेत्रों एवं जिले के दूरस्थ अंचलों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और विकास कार्यों के प्रस्तावों पर विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में शिवपुरी विधायक देवेंद्र जैन, करैरा विधायक रमेश प्रसाद खटीक, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नेहा अमित यादव एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती गायत्री शर्मा भी उपस्थित रहीं। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि जनप्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्रों की प्राथमिकताओं के अनुसार प्रस्ताव शामिल कर सकते हैं। इसमें स्कूलों का जीर्णोद्धार और पेयजल सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। कलेक्टर अर्पित वर्मा ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं। जिले के ऐसे शासकीय स्कूल जहां भवन की मरम्मत, अतिरिक्त कक्ष या बुनियादी निर्माण की आवश्यकता है, उनकी तत्काल सूची तैयार की जाए। इसके साथ ही जिन ग्रामीण इलाकों में पेयजल का संकट है, वहां स्थायी जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विशेष कार्ययोजना बनाई जाए। इन सभी जनहितैषी प्रस्तावों पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। खनिज अधिकारी रामसिंह उइके ने बताया डीएमएफ मद में उपलब्ध राशि का होगा उपयोग

जिला खनिज अधिकारी श्री राम सिंह उइके ने बैठक में जानकारी दी कि वर्ष 2026 में जिला खनिज प्रतिष्ठान मद में 76.51 लाख रुपए की राशि प्राप्त हुई है। वर्तमान में इस मद में लगभग 6 करोड़ रुपए से अधिक की राशि उपलब्ध है, जिसका उपयोग खनन प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, स?क और पर्यावरण सुधार जैसे कार्यों पर नियमानुसार किया जाएगा। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विजय राज, खनिज अधिकारी राम सिंह ऊइके सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

विधायक ने किया 44 लाख से अधिक के सड़क निर्माण कार्यों का भूमि पूजन

नगरीय विकास ही हमारी प्राथमिकता, अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा योजनाओं का लाभ : जैन

शिवपुरी जीएनएस

नगर के प्रत्येक वार्ड का सर्वांगीण विकास और आम नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी पहली प्राथमिकता है। इन सड़कों के निर्माण से क्षेत्रवासियों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी और विकास को नई गति मिलेगी। विकास का यह सिलसिला लगातार जारी रहेगा। यह बात शिवपुरी विधायक देवेंद्र जैन ने नगर पालिका क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में 44 लाख से अधिक की लागत से बनने वाली सड़कों के

भूमि पूजन अवसर पर कही। विधायक जैन ने वार्ड क्रमांक 24 में 14.08 लाख, वार्ड क्रमांक 23 में 18.00 लाख और वार्ड क्रमांक 19 में 12.00 लाख की लागत के सड़क निर्माण कार्यों का विधिवत भूमि पूजन किया। इन कार्यों से क्षेत्रवासियों को आवागमन में सुगमता मिलेगी और लंबे समय से चली आ रही समस्याओं से राहत मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा, स्थानीय पार्षद, नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। उपस्थित जनसमूह ने विकास कार्यों की शुरुआत पर हर्ष व्यक्त करते हुए विधायक व नगर पालिका प्रशासन का आभार जताया।

मध्य प्रदेश राज्य वित्त आयोग का नया डिजिटल पोर्टल लॉन्च

भोपाल। पंचायतों और नगर पालिकाओं को वित्तीय रूप से मजबूत तथा पारदर्शी बनाने की दिशा में मध्य प्रदेश सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। गुरुवार को वल्लभ भवन में राज्य वित्त आयोग की आधिकारिक वेबसाइट www.sfc.mp.gov.in का लोकार्पण किया गया।

आयोग के अध्यक्ष जयभान सिंह पवैया ने उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा की उपस्थिति में पोर्टल का शुभारंभ किया। इस अवसर पर वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव मनीष रस्तोगी और आयोग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। यह पोर्टल आयोग की गतिविधियों, सिफारिशों और स्थानीय निकायों की वित्तीय स्थिति को एक ही जगह उपलब्ध कराएगा। आम नागरिक, जनप्रतिनिधि और विशेषज्ञ अब सीधे ऑनलाइन सुझाव दे सकेंगे। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि पंचायतें और नगरीय निकाय प्रदेश के विकास की रीढ़ हैं। डिजिटल मंच से शासन और जनता के बीच दूरी घटेगी, पारदर्शिता बढ़ेगी तथा योजनाओं का क्रियान्वयन अधिक प्रभावी होगा। आयोग अध्यक्ष जयभान सिंह पवैया ने बताया कि आयोग का मुख्य लक्ष्य स्थानीय निकायों की वित्तीय सेहत का सही आकलन कर उन्हें स्वावलंबी बनाना है। राज्य के करों, स्टाम्प ड्यूटी, टोल और पेट्रोलियम उत्पादों से मिलने वाले राजस्व के न्यायसंगत बंटवारे की नीति तैयार की जाएगी।

प्रदर्शन में चली गोलियों से जख्मी हुए पीड़ित की FIR दर्ज ना किए जाने के विरोध में धरने पर बैठे राहुल गांधी

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर पिछले दिनों हुए आंदोलन के दौरान पैलेट गन से घायल साहिल की अभी तक एफआईआर दर्ज न किए जाने को लेकर आज नेता प्रतिपक्ष/कांग्रेस सांसद राहुल गांधी साहिल व उसके परिजनों एवं वकील के साथ संसद मार्ग थाने पहुंचे और डीसीपी सचिन शर्मा से एफआईआर दर्ज किए जाने को लेकर बात की, लेकिन पुलिस द्वारा साहिल की एफआईआर न दर्ज किए जाने के विरोध में राहुल गांधी अब संसद मार्ग थाने के प्रवेश द्वार पर सभी के साथ धरने पर बैठ गए हैं। गौरतलब है कि इन्हीं साहिल को

लेकर राहुल गांधी पहले भी दिल्ली में प्रेस कांफ्रेंस कर चुके हैं, तब उन्होंने साहिल को मीडिया के सामने पेश कर पैलेट गन के छर्रों से उसके शरीर पर आई चोटों को दिखाते हुए ये भी कहा था कि साहिल की एक आंख से उसे दिखना भी बंद हो गया है।

माता सीता के सम्मान में जानकी सेना मैदान में जयघोष के साथ विधायक का किया पुतला दहन

शिवपुरी जीएनएस

माता जानकी के सम्मान में जानकी सेना मैदान में जयघोष के साथ सेवाभावी अखिल भारतीय जानकी सेना संगठन के द्वारा स्थानीय माधवचौक चौराहे पर गुना विधायक पन्ना लाल शाक्य का माता सीता को लेकर अनर्गल बयानबाजी को लेकर पुतला फूंका गया। इस दौरान जानकी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रम रावत एवं महासचिव नरेशप्रताप सिंह (बॉबीराजा) ने विधायक पन्नालाल के बयान को लेकर नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि जानकी सेना संगठन के लिए माता जानकी

हमारी प्रेरणा है आराध्य देवी है, और समाज को रह दिखाने वाली प्रेरणा पुंज है उनके खिलाफ एक शब्द भी हम नहीं सुन सकते जरूरत पड़ेगी तो हम प्राणों को भी उनके ऊपर न्योछावर कर देंगे। जानकी सैनिकों के द्वारा शहर के माधवचौक चौराहे पर विधायक पन्नालाल शाक्य के खिलाफ नारेबाजी की गई और उनके पुतले को जूते चप्पल से पीटा गया और बाद में आग के हवाले कर दिया। जानकी सैनिकों ने माता जानकी के सम्मान में जानकी सेना मैदान में के गगनभेदी नारों से पूरे माधव चौक चौराहे को गूंजायमान कर दिया। जानकी सैनिकों की मांग है कि विधायक पन्नालाल को पार्टी निष्कासित करें और विधायक पद से तत्काल हटाकर उनकी प्राथमिक सदस्यता खत्म करो और प्रशासन से मांग की है कि पन्नालाल शाक्य के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

रामायण आधारित प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र-छात्राओं और अतिथियों का हुआ सम्मान

मानस भवन में तुलसी जयंती समारोह का भव्य समापन

गुना जीएनएस

मानस भवन निर्माण एवं संचालन समिति द्वारा आयोजित तुलसी जयंती समारोह का समापन गरिमामय वातावरण में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि साध्वी प्रियंका भारती एवं समिति अध्यक्ष तथा कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल रहे। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर तथा गोस्वामी तुलसीदास के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद वंदे मातरम् का गायन हुआ।

समिति के उपाध्यक्ष निकलंक जैन ने स्वागत भाषण दिया। उपाध्यक्ष निकलंक जैन, मंत्री सुनील अग्रवाल और कोषाध्यक्ष प्रदीप तायल ने अतिथियों का स्मृति चिह्न एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। समारोह में प्राचीन शिव मंदिर के पुजारी कौशलपुरी महाराज सहित कृष्ण मुरारी शर्मा, राजनारायण, मनोज शर्मा, धर्मवीर शर्मा, चंद्रशेखर तिवारी, महेश शर्मा, नरेंद्र अवस्थी और प्रमोद भार्गव का भी सूत माला, दुपट्टा एवं भेंट देकर सम्मान किया गया।

बाल संस्कार शिविर के प्रशिक्षक वाचस्पति बेनी प्रसाद शास्त्री और आचार्य भुवन मोहन वशिष्ठ को भी सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार : समारोह में रामायण पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। प्रश्न मंच प्रतियोगिता में सत्य साईं विद्या विहार स्कूल ने प्रथम, वंदना कॉन्वेंट स्कूल ने द्वितीय और प्रेसीडेंसी स्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। रामलीला मंचन प्रतियोगिता में सांदीपनी स्कूल प्रथम, शांति पब्लिक स्कूल द्वितीय और शासकीय महारानी कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तृतीय स्थान पर रहा। सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। सीनियर वर्ग में ललित धाकड़, वैष्णवी शिवहरे और लक्ष्मी शर्मा, जूनियर वर्ग में अनुष्का रघुवंशी, मानवी ओझा और कात्यायनी सोनी तथा महाविद्यालय वर्ग में रमन किरार और चेल्सी शर्मा को प्रमाण पत्र, पुरस्कार एवं अयोध्या धाम यात्रा के टिकट प्रदान किए गए। कार्यक्रम में विवेक गर्ग ने मानस भवन समिति द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने 'भारत को श्रेष्ठ बनाने में युवाओं की भूमिका' विषय पर विचार व्यक्त करते हुए युवाओं को देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

कलेक्टर ने सामाजिक न्याय एवं श्रम विभाग की योजनाओं की समीक्षा कर पात्र हितग्राहियों का समय पर पंजीयन कराने के दिए निर्देश

20 नवंबर को होगा मुख्यमंत्री कन्या विवाह-निकाह सम्मेलन

गुना जीएनएस

कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण तथा श्रम विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पेंशन योजनाओं, दिव्यांगजन कल्याण, मुख्यमंत्री कन्या विवाह-निकाह योजना, राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना, स्पर्श एवं यूडीआईडी पोर्टल, मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल 2.0 योजना, श्रमिक पंजीयन, बाल एवं बंधुआ श्रम उन्मूलन तथा सीएम हेल्पलाइन सहित विभिन्न योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की गई।

कलेक्टर कन्याल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि योजनाओं से संबंधित लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए तथा पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाने में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

20 नवंबर को सामूहिक विवाह सम्मेलन : मुख्यमंत्री कन्या विवाह-निकाह योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि शासन के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 20 नवंबर 2026 को सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। योजना के तहत पात्र जोड़े को कुल 55 हजार रुपए की सहायता प्रदान की जाती है। इसमें वधू को 49 हजार रुपए तथा आयोजन व्यवस्था के लिए 6 हजार रुपए निर्धारित हैं।

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना के लिए पात्र जोड़ों की पहचान कर उनका समय पर पंजीयन कराया जाए। साथ ही सम्मेलन के आयोजन से संबंधित सभी आवश्यक तैयारियां समय सीमा में पूरी करने के निर्देश दिए, ताकि पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ आसानी से मिल सके।

लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से करें निराकरण

बैठक में राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, वृद्धाश्रम संचालन, जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र तथा नशा मुक्ति अभियान की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन के 50 एवं 100 दिवस से अधिक समय से लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिकायतों के निराकरण की गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान दिया जाए और हितग्राही को संतुष्टिपूर्ण समाधान उपलब्ध कराया जाए।

श्रम विभाग की योजनाओं की समीक्षा के दौरान श्रम कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन, श्रमिक पंजीयन, बाल एवं बंधुआ श्रम उन्मूलन तथा सीएम हेल्पलाइन की स्थिति की जानकारी ली गई। कलेक्टर ने श्रम निरीक्षक ब्रिजेन्द्र सिंह को श्रमिकों से संबंधित योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

संबल योजना के प्रकरण जल्द निपटाएं

मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल 2.0 योजना के अंतर्गत लंबित प्रकरणों एवं पंजीयन आवेदनों की निकायवार समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि विभिन्न श्रेणियों के लंबित प्रकरणों और अनुग्रह सहायता से संबंधित आवेदनों के निराकरण की कार्रवाई जारी है।

कलेक्टर ने सभी लंबित प्रकरणों को शीघ्र निराकृत करने के निर्देश देते हुए कहा कि पात्र श्रमिकों को सहायता मिलने में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने निकायवार प्रगति की नियमित समीक्षा करने और जिन प्रकरणों में किसी स्तर पर कमी है, उन्हें तत्काल दूर करने के निर्देश दिए।

अधिक से अधिक श्रमिकों का कराएं पंजीयन

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना तथा भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की प्रगति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं की पात्रता रखने वाले अधिक से अधिक श्रमिकों का पंजीयन कराया जाए, ताकि उन्हें सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ मिल सके।

उन्होंने कहा कि श्रमिकों और उनके परिवारों के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी जमीनी स्तर तक पहुंचाई जाए। पंजीयन प्रक्रिया को सरल बनाने के साथ पात्र श्रमिकों को योजना के लाभ और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाए। बैठक के अंत में कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा और श्रमिक कल्याण से जुड़ी योजनाएं शासन की महत्वपूर्ण जनहितकारी पहल हैं। इनका उद्देश्य समाज के जरूरतमंद और पात्र वर्ग को आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराना है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाने तथा लंबित प्रकरणों का सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

लहार क्षेत्र का एक बार फिर से किया नाम रोशन..

श्याम सुन्दर श्रीवास्तव 'कोमल' की कविता भारतीय उपमहाद्वीप के पाठ्यक्रम में शामिल

लहार, जीएनएस।

देश के प्रतिष्ठित बाल साहित्यकार श्याम सुंदर श्रीवास्तव 'कोमल' की रचना भारतीय उपमहाद्वीप के पाठ्यक्रम क्रम का हिस्सा बनी है,जिससे लहार क्षेत्र का नाम रोशन हुआ है,अशोक हायर सेकेण्डरी स्कूल लहार में हिंदी व्याख्याता के पद पर प्रतिष्ठित श्याम सुंदर श्रीवास्तव 'कोमल' की कविता ÷अमृत वेला का सुख÷ को भारतीय उपमहाद्वीप के विद्यार्थियों के लिए नवनीत एजुकेशन लिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा तैयार की गई हिन्दी पाठ्यपुस्तक ÷नव गुलिका÷ कक्षा 2 में प्रथम पाठ के रूप में सम्मलित किया गया है । अब भारतीय उपमहाद्वीप के बच्चे इस कविता को वर्ष 2027 से पाठ्यक्रम के रूप में पढ़ेंगे,उक्त रचना बच्चों की मानसिक क्षमताओं, उनकी अभिरुचियों, आयु और बौद्धिक दक्षताओं को केंद्र में रखकर लिखी गई है,रचना पर विभागीय अधिकारियों, विषय विशेषज्ञों, विद्वान निर्णायक मंडल और बाल साहित्यकारों के लंबे समय तक चले विचार मंथन को अब अंतिम स्वरूप दे दिया गया है,उक्त आशय की जानकारी पाठयपुस्तक निर्माण समिति के हिन्दी विशेषाधिकारी एवं सम्पादक प्रवीण भल्ला एवं वंदना पृथी जी द्वारा एक विभागीय पत्र द्वारा प्रदान की गई है,उक्त रचना ÷अमृत वेला का सुख÷ उपमहाद्वीप के बच्चों के लिए तैयार की गई पाठ्यपुस्तक ÷नव गुलिका÷ कक्षा 2 में सम्मिलित प्रकाशित करने के लिए चार वर्षों का अनुबंध किया गया है। इन चार वर्षों में पाठ्यपुस्तक ÷नव गुलिका÷ की सत्तर हजार प्रतियाँ बच्चों के लिए उपलब्ध कराई जाएंगी। श्याम सुंदर श्रीवास्तव की अनेक रचनाएं सी.बी.एस.सी.ई. एवं आई. सी. एस. सी. ई. बोर्ड से मान्यताप्राप्त देश के विभिन्न प्रांतों में संचालित विद्यालयों में पाठ्यक्रम के रूप में पढ़ाई जा रही हैं,बालसाहित्य की समृद्धि और बाल कल्याण के लिए कृतसंकल्पित वरिष्ठ बाल साहित्यकार श्याम सुंदर श्रीवास्तव 'कोमल' अशोक हायर सेकेण्डरी स्कूल, लहार, भिण्ड, (म.प्र.) में हिंदी व्याख्याता के पद पर कार्यरत हैं । उन्हें उनकी दीर्घकालीन साहित्यिक सेवाओं के लिए देश की कई सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा सम्मानित एवं पुरस्कृत किया जा चुका है।

ग्वालियर ग्रामीण युवा मोर्चा में शिवराज यादव की ताजपोशी, विरोध की राजनीति पर नेतृत्व का फैसला भारी

आकाश कुशवाह

ग्वालियर ग्रामीण भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष पद पर शिवराज यादव की नियुक्ति को केवल संगठनात्मक जिम्मेदारी भर मानना राजनीतिक रूप से इस घटनाक्रम को छोटा करके देखने जैसा होगा। इस नियुक्ति ने ग्वालियर ग्रामीण भाजपा के भीतर चल रही खींचतान, प्रभाव की राजनीति और संगठन में किसकी पकड़ कितनी मजबूत है इन तमाम सवालों को एक साथ सामने ला दिया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जिस नाम को रोकने के लिए भीतरखाने तमाम प्रयासों की चर्चा रही, आखिरकार वही नाम संगठन की पहली पंक्ति में पहुंच गया।

शिवराज यादव की नियुक्ति का सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश यही है कि युवा नेतृत्व के चयन में अंततः उस चेहरे पर भरोसा जताया गया, जिसे संगठन के भीतर आगे बढ़ने की क्षमता वाला माना गया। विरोध, आपत्तियों और अलग-अलग नामों को आगे बढ़ाने की कोशिशों के बावजूद यदि शिवराज यादव जिम्मेदारी हासिल करने में सफल रहे हैं, तो इसे उनकी व्यक्तिगत राजनीतिक पकड़ और नेतृत्व के विश्वास दोनों के संकेत के तौर पर देखा जा सकता है।

यहां से शिवराज यादव की भूमिका सिर्फ एक पदाधिकारी की नहीं रह जाती। अब उनके सामने ग्रामीण क्षेत्र में युवा संगठन को सक्रिय करने, बूथ स्तर तक पहुंच बनाने और भाजपा के युवा नेटवर्क को मजबूत करने की बड़ी जिम्मेदारी है।

मनोज गुर्जर का नाम भी चर्चा में, लेकिन अंतिम बाजी शिवराज के हाथ

इस पूरे घटनाक्रम में मनोज गुर्जर का नाम भी प्रमुखता से चर्चा में रहा। राजनीतिक हलकों में यह चर्चा रही कि मनोज गुर्जर को अध्यक्ष बनाने के लिए ग्वालियर ग्रामीण भाजपा जिलाध्यक्ष प्रेम सिंह राजपूत और सांसद भारत सिंह कुशवाह की ओर से प्रयास किए गए थे। यह भी चर्चा रही कि मनोज गुर्जर के नाम को एपेक्स बैंक अध्यक्ष का समर्थन प्राप्त था। लेकिन राजनीति में अंतिम क्षण तक चलने वाली कवायद का परिणाम हमेशा पहले से तय नहीं होता। यही इस नियुक्ति में दिखाई दिया। तमाम समीकरणों और नामों के बीच आखिरकार शिवराज यादव का नाम आगे निकल गया।

भारत सिंह कुशवाह और प्रेम सिंह राजपूत की कवायद भी नहीं बदल सकी तस्वीर यदि राजनीतिक चर्चाओं को आधार माना जाए तो मनोज गुर्जर के पक्ष में सांसद भारत सिंह कुशवाह और ग्वालियर ग्रामीण भाजपा अध्यक्ष प्रेम सिंह राजपूत की सक्रियता महत्वपूर्ण मानी जा रही थी।

बमोरी के खुरदौन में हंगामा, तहसीलदार और पुलिस ने पहुंचकर हटाया अतिक्रमण, रात 11 बजे हुआ अंतिम संस्कार

मुक्तिधाम पर कब्जे से सड़क पर अंतिम संस्कार की नौबत

गुना जीएनएस

जिले की बमोरी तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत बनेह के खुरदौन गांव में मुक्तिधाम की जमीन पर अवैध कब्जे के चलते ऐसी स्थिति निर्मित हो गई कि ग्रामीणों को एक किशोरी के अंतिम संस्कार के लिए सड़क पर शव रखना पड़ा। मुक्तिधाम पर अतिक्रमण के कारण शवदाह के लिए जगह नहीं मिलने से परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो गए और उन्होंने सड़क पर ही अंतिम संस्कार करने का निर्णय ले लिया। मामले की जानकारी मिलते ही प्रशासनिक अमला हरकत में आया और देर रात मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटवाकर अंतिम संस्कार कराया गया।

मुक्तिधाम की जमीन पर कब्जे का आरोप 3 जानकारी के अनुसार 19 अगस्त को खुरदौन गांव में एक 15 वर्षीय किशोरी का निधन हो गया था। शाम करीब 4 बजे परिजन और ग्रामीण अंतिम संस्कार के लिए शव लेकर मुक्तिधाम पहुंचे, लेकिन वहां सरकारी जमीन पर तार फेंसिंग और कथित अतिक्रमण मिला। ग्रामीणों का आरोप है कि पट्टे के नाम पर मुक्तिधाम की जमीन पर कब्जा कर लिया गया है, जिसके कारण वहां अंतिम संस्कार के लिए चबूतरा तक नहीं बन पाया।

मुक्तिधाम की जमीन पर कब्जा होने से ग्रामीणों के सामने परेशानी खड़ी हो गई। काफी देर तक समाधान नहीं मिलने के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क पर ही अंतिम संस्कार करने का निर्णय लिया और शव को सड़क पर रख दिया। इस स्थिति की जानकारी मिलते ही प्रशासन में हड़कंप मच गया।

सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचा प्रशासन : सड़क पर अंतिम संस्कार किए जाने की सूचना मिलने के बाद बमोरी तहसीलदार और धरनावदा थाना अंतर्गत झागर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने ग्रामीणों और परिजनों से बातचीत कर स्थिति को संभालने का प्रयास किया। इस दौरान कई घंटे तक ग्रामीणों और प्रशासन के बीच चर्चा और गहमागहमी चलती रही।

करीब सात घंटे तक चले घटनाक्रम के बाद प्रशासन ने सख्त कदम उठाते हुए मुक्तिधाम की जमीन पर की गई तार फेंसिंग को हटवा दिया और जगह को खाली कराया। इसके बाद अंतिम संस्कार की व्यवस्था की गई।

रात 11 बजे हुआ अंतिम संस्कार : शाम करीब 4 बजे से सड़क पर रखा किशोरी का शव आखिरकार रात 11 बजे मुक्तिधाम पहुंचाया गया, जहां अंतिम संस्कार संपन्न कराया गया। प्रशासन की कार्रवाई के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में मुक्तिधाम जैसी मूलभूत सुविधा पर कब्जा होना गंभीर समस्या है। उन्होंने मांग की कि मुक्तिधाम की जमीन को सुरक्षित किया जाए और वहां जल्द से जल्द आवश्यक व्यवस्थाएं विकसित की जाएं, ताकि भविष्य में किसी परिवार को ऐसी स्थिति का सामना नहीं करना पड़े। मामले में प्रशासन ने अतिक्रमण हटाकर तत्काल व्यवस्था तो कर दी, लेकिन घटना ने ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी जमीनों पर कब्जे और मूलभूत सुविधाओं की अनदेखी का मुद्दा फिर सामने ला दिया है।

त्योहारों से पहले ग्वालियर पुलिस का बड़ा अभियान, दो थानों में अवैध शराब के प्रकरण दर्ज

कॉम्बिंग गश्त में 197 फरार वारंटी गिरफ्तार, 282 गुंडे-हिस्ट्रीशीटरों की हुई चेकिंग

ग्वालियर जीएनएस

जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने और आदतन अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए ग्वालियर पुलिस ने शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात शहर और देहात क्षेत्र में कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया। अभियान के दौरान पुलिस ने 197 फरार वारंटियों को गिरफ्तार किया। इनमें 93 स्थायी वारंटी और 104 गिरफ्तारी वारंटी शामिल हैं।

एसएसपी के निर्देश पर रातभर चला अभियान, अधिकारियों ने संभाला मोर्चा : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजावल जग्गा, सुमन गुर्जर, डॉ. शिवेश सिंह बघेल और जयराज कुबेर सहित सभी राजपत्रित अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में थाना प्रभारियों और पुलिस बल के साथ कॉम्बिंग गश्त की। एसएसपी ने स्वयं शहर में अभियान की निगरानी कर अधिकारियों को प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए।

गुंडों और हिस्ट्रीशीटरों के घर पहुंची पुलिस, रिकॉर्ड किए अपडेट : कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस टीमों ने फरार बदमाशों, वारंटियों,

गुंडों, हिस्ट्रीशीटरों और जिला बदर आरोपियों की उनके घरों पर जाकर चेकिंग की। इस दौरान 140 गुंडों और 142 हिस्ट्रीशीटरों सहित कुल 282 बदमाशों की जांच की गई। जेल से रिहा होकर आए आरोपियों की भी निगरानी की गई।

होटल-लॉज और संदिग्ध वाहनों की भी हुई जांच : पुलिस ने संवेदनशील इलाकों में पैदल गश्त करने के साथ ही होटल, लॉज, धर्मशाला, ढाबों और एटीएम की जांच की। संदिग्ध वाहनों और मुंह बांधकर चलने वाले दोपहिया वाहन चालकों की भी तलाशी ली गई।

अवैध शराब के दो मामले दर्ज, प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी : अभियान के दौरान थाना हजीरा और थाना महाराजपुरा क्षेत्र में अवैध शराब के एक-एक प्रकरण दर्ज किए गए। वहीं धारा 107/116 जाफौ के तहत दो प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई।

अपराधियों को दी चेतावनी, लगातार जारी रहेगा अभियान : पुलिस ने चेकिंग के दौरान गुंडों और बदमाशों को आपराधिक गतिविधियों से दूर रहने की चेतावनी दी। अधिकारियों ने बताया कि अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कॉम्बिंग गश्त एवं बदमाशों की धरपकड़ की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

गुरुजी की एक झलक पाने उमड़ा पंजाबी समाज, रेलवे स्टेशन पर हुआ भव्य स्वागत

ग्वालियर जीएनएस

सावन के पवित्र माह में देशभर में श्रद्धालु भगवान शिव की आराधना में जुटे हैं। इसी क्रम में पंजाबी समाज के कुलगुरु गुरु रामसुखदास जी महाराज (कलानौर) राष्ट्र कल्याण की कामना के साथ अपने शिष्यों और करीब 300 भक्तों के साथ ज्योतिर्लिंगों के दर्शन एवं धार्मिक यात्रा पर निकले हैं। यात्रा के दौरान ग्वालियर पहुंचने पर पंजाबी समाज के लोगों ने रेलवे स्टेशन पहुंचकर गुरु महाराज का पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया और आशीर्वाद प्राप्त किया।

रेलवे स्टेशन पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब : गुरु रामसुखदास जी महाराज के ग्वालियर आगमन की सूचना मिलते ही पंजाबी समाज के बड़ी संख्या में लोग रेलवे स्टेशन पहुंच गए। गुरुजी की एक झलक पाने और उनका आशीर्वाद लेने के लिए श्रद्धालुओं में खासा उत्साह नजर आया। भक्तों ने पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया।

राष्ट्र कल्याण के लिए धार्मिक यात्रा : इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने गुरु महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। यात्रा में शामिल भक्त ज्योतिर्लिंगों के दर्शन

कर धार्मिक अनुष्ठानों में भाग ले रहे हैं। गुरु महाराज के साथ करीब 300 भक्त धार्मिक यात्रा पर हैं।

स्वागत के दौरान हरिओम नागपाल, रवि अनेजा, दिलीप गुगनानी, अशोक गुगनानी, रिंकू कथूरिया, गुलशन बत्रा, राजू भटियाणी, सुभाष पसरिचा, जवाहर सचदेवा, महेश भटियाणी, अनिल अनेजा, गगन अनेजा, मनोज भुटियाणी, सुमित्रा अनेजा, वीना अनेजा, प्रीति अनेजा, सरला भुटियाणी, रश्मि कथूरिया, पार्थ अनेजा, रेयांश अनेजा एवं मीडिया प्रभारी राजू पंडित सहित बड़ी संख्या में समाजजन और भक्त उपस्थित रहे।

45 एम्बुलेंसों का निरीक्षण, फिटनेस-बीमा और पीयूसी में कमी पर 57 हजार का जुर्माना

मरीजों की सुरक्षा को लेकर एम्बुलेंस की जांच, 15 में मिलीं अनियमितताएं

ग्वालियर जीएनएस

मरीजों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने एम्बुलेंसों की जांच के लिए विशेष अभियान चलाया। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर परिवहन विभाग की टीम ने शहर के प्रमुख अस्पताल परिसरों में पहुंचकर एम्बुलेंसों की जांच की।

1000 बिस्तर, कैंसर अस्पताल और जयारोग्य अस्पताल में हुई कार्रवाई : परिवहन विभाग की टीम ने बीते रोज 1000 बिस्तर अस्पताल, कैंसर अस्पताल और जयारोग्य अस्पताल परिसर में एम्बुलेंसों का

निरीक्षण किया। इस दौरान कुल 45 एम्बुलेंसों की जांच की गई।

फिटनेस, बीमा और पीयूसी में मिली कमी : जांच के दौरान 15 एम्बुलेंसों में फिटनेस प्रमाण-पत्र, बीमा, प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र (पीयूसी) सहित अन्य जरूरी दस्तावेजों में अनियमितताएं मिलीं। इन वाहनों पर कार्रवाई करते हुए कुल 57 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया।

संचालकों को नियमों का पालन करने के निर्देश : परिवहन विभाग के अधिकारियों ने एम्बुलेंस संचालकों को सभी जरूरी दस्तावेज अपडेट रखने और निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करने के निर्देश दिए। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मरीजों और यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ आगे भी लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

ग्राम रेंडा में महाराजा अरुणादित्य देव का ग्रामीणों ने किया स्वागत

दतिया जीएनएस

दतिया विधानसभा क्षेत्र के ग्राम रेंडा स्थित गुरुजी की बगिया सिद्ध बाबा के स्थान पर शुक्रवार को ग्रामीणों ने गोठ का आयोजन किया। यह आयोजन कांग्रेस नेता घनश्याम सिंह के विधायक निर्वाचित होने के उपलक्ष्य में किया गया। कार्यक्रम में नवनिर्वाचित विधायक घनश्याम सिंह एवं दतिया महाराजा अरुणादित्य देव को आमंत्रित किया गया। ग्रामीणों ने दोनों का फूलमालाएं पहनाकर आत्मीय स्वागत और अभिनंदन किया। इस दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र के विकास और सामाजिक एकता को लेकर भी चर्चा की।

जैन मिलन महिला सिद्धार्थ शाखा मुरार ने मनाया हरियाली तीज महोत्सव, गेम्स और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

सावन गीतों पर थिरकीं महिलाएं, हरियाली तीज क्वीन बनीं अन्नू व सोनाली

ग्वालियर जीएनएस

हरियाली तीज के अवसर पर जैन मिलन महिला सिद्धार्थ शाखा मुरार की ओर से सिटी सेंटर स्थित होटल राज भोग में हरियाली तीज महोत्सव आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। हरे रंग के पारंपरिक परिधानों और हाथों में मेहंदी लगाए महिलाओं ने आयोजन स्थल को सावन और तीज के रंग में रंग दिया।

सावन गीतों पर महिलाओं ने किया नृत्य : महोत्सव में सावन और तीज के गीतों की प्रस्तुतियां हुईं। महिलाओं ने गीत-संगीत पर नृत्य कर कार्यक्रम में रंग जमा दिया। इसके साथ ही विभिन्न गेम्स, धार्मिक प्रश्नमंच, चेयर रेस, हाऊजी, सरप्राइज गेम्स और रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की गईं। विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

अन्नू और सोनाली बनीं हरियाली महोत्सव क्वीन : हरियाली महोत्सव क्वीन का खिताब और ताज अन्नू जैन और सोनाली जैन को दिया गया। अतिथियों ने हरियाली सेलिब्रेशन केक काटकर उत्सव मनाया। प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान मधु जैन, द्वितीय पल्लवी जैन और तृतीय नीलू जैन रहीं। पंचुल्टी में मंजू जैन विजेता रहीं। सभी महिलाओं को विशेष उपहार और स्मृति चिह्न प्रदान किए गए।

दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ : जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री अनीता जैन और विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय संयोजिका अनीता जैन रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ संगीता जैन ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अध्यक्ष मधु जैन, सचिव अनीता जैन और कोषाध्यक्ष प्रिया जैन ने अतिथियों का चंदन तिलक और पुष्पमाला से स्वागत किया। अध्यक्ष मधु जैन ने स्वागत उद्बोधन दिया। पूजा जैन, पल्लवी जैन और रिंकी जैन ने मंगलाचरण प्रस्तुत

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक रामकिशन तायल 'फौजी' ने श्रमसाधना प्रिन्टर्स, भगवती निवास पारखजी का बाड़ा दौलतगंज, ग्वालियर से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : महेश तायल समाचार चयन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत अधिकृत
e.mail- Shramsadhnagwl@gmail.com ph. 0751-2625029, 98270 17078, 9425007142 समाचार पत्र में प्रकाशित सभी आलेखों में लेखकों के अपने विचार हैं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर होगा।